■ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 239 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 28-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा सत्ता में लौटी तो असम में बांग्लादेशी 'मियां' समुदाय की कमर तोड़ देगी : हिमंत

6 युद्ध के चलते आम आदमी का जीवन प्रभावित

7 सिनेमा में बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी : कंगना रनौत

फर्स्ट टेक

'धुरंधर: द रिवेंज' ने वैश्विक स्तर पर 1,088 करोड़ से अधिक की कमाई की

नई दिल्ली/भाषा। आदित्य धर की फिल्म ''धुरंधर: द रिवेंज'' ने रिलीज के पहले सप्ताह में ही वैश्विक स्तर पर 1,088 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है, जिससे यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है। जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के अनुसार, रणवीर सिंह अभिनीत इस थ्रिलर फिल्म ने रिलीज होने के आठवें दिन तक भारत में 814 करोड़ रुपए और विदेशों में 274 करोड़ रुपए का सकल राजस्व अर्जित किया। फिल्म निर्माताओं ने एक बयान में कहा कि ''धुरंधर: द रिवेंज'' ने अपने पहले सप्ताह के हर दिन रिकॉर्ड कमाई की है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 5.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कई इलाकों में शुक्रवार को 5.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। मौसम विज्ञान कार्यालय के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 36 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र शाहदकोट से लगभग 74 किलोमीटर पश्चिम में, 14 किलोमीटर की गहराई पर था। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि लोग दहशत में अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल गए। थाना प्रभारी करीम शाह ने कहा, ''भूकंप के झटके तेज़ थे और पूरे शहर में महसूस किए गए।'' उन्होंने कहा कि अभी तक शहर या आसपास के इलाकों में किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

सरकार ने 858 करोड़ रुपए के दो रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की खरीद के संबंध में रूस की कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 445 करोड़ रुपए के अनुबंध पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारतीय नौसेना के पी8आई 'लॉन्ग-रेंज मैरीटाइम रिकोनिसेंस' विमान के रखरखाव के लिए बोइंग इंडिया डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 413 करोड़ रुपए का एक अलग अनुबंध किया गया है। मंत्रालय ने बताया, ''भारतीय सेना के लिए 445 करोड़ रुपए मूल्य की तुंगुस्का वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की खरीद को लेकर रूस की जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।''

सूर्यास्त 28-03-2026 6:20 बजे	सूर्योदय 29-03-2026 6:07 बजे
BSE 73,583.22 (-1,690.23)	NSE 22,819.60 (-486.85)
सोना 14,900 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 234,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी सिकंदर

कमजोर न समझें आप किसे,
भय पैदा कर सकती बुलबुल।
गुल कौन खिला देगा कैसे,
या फिर कर देगा बत्ती गुल।
कुर्सी के खातिर हर दल की,
रहती धाराएं सब ढुलमुल।
अफसोस आज बस यही हमें,
जनमत की लेवी रही है तुल।।

धूमधाम से मनाई गई रामनवमी, अयोध्या में लाखों श्रद्धालु पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/अयोध्या/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में 'सूर्य तिलक' समारोह से लेकर पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और झारखंड में जगह-जगह शोभायात्रा निकाले जाने के साथ शुक्रवार को देश के विभिन्न हिस्सों में रामनवमी भक्ति और भव्यता के साथ मनाई गई।

भगवान राम के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाना वाला यह त्योहार देश के अधिकतर हिस्सों में बृहस्पतिवार को मनाया गया। हालांकि, अयोध्या समेत कई क्षेत्रों में यह उत्सव शुक्रवार को मनाया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने रामनवमी के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दो दिन की छुट्टी घोषित की थी। अयोध्या में, रामनवमी का पर्व लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में बेहद भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। राम मंदिर में रामलला का 'सूर्य तिलक' किया गया। इस दौरान करीब नौ मिनट तक सूर्य की किरणें सीधे भगवान के ललाट पर पड़ीं। गर्भगृह में 14 पुजारियों ने वैदिक परंपरा के अनुसार अनुष्ठान संपन्न किए। समारोह के बाद मंदिर के कपाट कुछ समय के लिए बंद कर भगवान को 56 व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। श्रीराम की प्रतिमा की स्थापना के बाद यह दूसरा 'सूर्य तिलक' समारोह था।

प्रधानमंत्री मोदी ने देखा 'सूर्य तिलक' समारोह को ऑनलाइन माध्यम से

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रामनवमी के अवसर पर अयोध्या के राम मंदिर में आयोजित 'सूर्य तिलक' समारोह को ऑनलाइन माध्यम से देखा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में अत्यधिक भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक संस्कार हुआ। प्रभु श्री राम की कृपा हम पर सदा बनी रहे।''

देश में उर्वरक का पर्याप्त भंडार, घबराने की जरूरत नहीं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि देश में उर्वरक का पर्याप्त भंडारण है और इसे लेकर अफरा-तफरी की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह भी बताया कि उनकी बृहस्पतिवार को इस

विषय पर प्रदेशों के कृषि मंत्रियों से बात हुई है।

नड्डा ने कहा, ''मैं सरकार की तरफ से देश की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जहां तक उर्वरक का सवाल है तो सरकार ने इसकी पर्याप्त व्यवस्था कर रखी है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है।''

मंत्री ने कहा, ''मैंने कल ही सभी कृषि मंत्रियों से बात की है और सबसे कहा है कि जो अफरा-तफरी पैदा की जा रही है, उसकी कोई जरूरत नहीं है। हमारे पास पर्याप्त भंडारण है और किसानों को जितनी खाद की जरूरत होगी, उपलब्ध कराई जाएगी।''

उन्होंने बताया कि जॉर्डन, सऊदी अरब और कई अन्य देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए जा रहे हैं ताकि उर्वरक के लिए जरूरी सामाग्री का आयात किया जा सके।

इजराइल ने ईरान पर नए सिरे से हमले शुरू किए

■ ट्रंप ने तेहरान को दी गई समयसीमा बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई (यूएई)/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान पर नए सिरे से हमले शुरू किए जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि युद्ध खत्म करने के लिए सार्थक बातचीत जारी है। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा आगे बढ़ा दी, हालांकि ईरान के झुकने के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

इजराइल की सेना ने कहा कि शुक्रवार को तेहरान में हमले करते हुए बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य हथियार बनाने के ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने कहा कि इसके अलावा पश्चिमी ईरान में मिसाइल लॉन्चर और भंडारण स्थलों पर भी हमले किए गए।

ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था को 'बंधक' बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती : ब्रिटेन

वॉक्स-डे-सेर्ने (फ्रांस)/एपी। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का ''शीघ्र समाधान'' करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का आह्वान किया है। पेरिस के बाहरी इलाके में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए, कूपर ने कहा कि ईरान सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले तेल टैंकरों को अवरुद्ध करके वैश्विक अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रहा है।

नागरिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सहयोग और समन्वय की भावना वर्तमान स्थिति से निपटने में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है।

■ स्थिति लगातार बदल रही है, जिसके लिए निरंतर निगरानी और अनुकूल रणनीतियों की आवश्यकता है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न वैश्विक स्थिति गतिशील बनी हुई है, और इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, उद्योग एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना तथा नागरिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

मुख्यमंत्रियों के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने कहा कि स्थिति के लिए निरंतर निगरानी और अनुकूल रणनीतियों की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच निरंतर संचार और समन्वय के साथ-साथ समय पर सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं संयुक्त निर्णय लेने का आह्वान किया, ताकि प्रतिक्रियाएं त्वरित और सुव्यवस्थित हों। मुख्यमंत्रियों से आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और जमाखोरी और मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त उपाय करने का आग्रह करते हुए मोदी ने गलत सूचनाओं और अफवाहों के प्रसार के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि सटीक और विश्वसनीय जानकारी का समय पर प्रसार आवश्यक है।

पश्चिम एशिया की स्थिति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को इसी तरह की वैश्विक बाधाओं से निपटने का पूर्व अनुभव है, और उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान की गई सामूहिक प्रतिक्रिया को याद किया, जब केंद्र और राज्यों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार और दैनिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए साथ मिलकर काम किया था।

मोदी ने कहा कि सहयोग और समन्वय की यही भावना वर्तमान स्थिति से निपटने में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थिति लगातार बदल रही है, जिसके लिए निरंतर निगरानी और अनुकूल रणनीतियों की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि तीन मार्च से एक अंतर-मंत्रालयी समूह कार्यरत है, जो प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा कर रहा है और समय पर निर्णय ले रहा है।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर 94.82 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रुपया शुक्रवार को 86 पैसे टूटकर 94.82 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। तेल की ऊंची कीमतों और पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर बनी अनिश्चितताओं के बीच अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में आई तेज गिरावट और विदेशी निवेशकों (एफआईआई) द्वारा लगातार निकासी से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.18 प्रति डॉलर पर खुला और पहली बार 94.50 के स्तर को पार कर गया। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.82 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 86 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 93.96 पर बंद हुआ था। राम नवमी के कारण बृहस्पतिवार को शेयर, विदेशी मुद्रा, जिंस और सर्राफा बाजार बंद थे।

आर्थिक नीतियों का लक्ष्य लोगों का जीवन बेहतर बनाना हो : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि हर आंकड़े के पीछे एक मानवीय कहानी होती है और आर्थिक नीतियों की वास्तविक कसौटी केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उनके परिणाम होते हैं।

राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा में आर्थिक योजना एवं उसके क्रियान्वयन की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

मुर्मू ने कहा कि टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने, महंगाई का प्रबंधन करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने, असमानताओं को कम करने और जटिल आर्थिक माहौल में अर्थव्यवस्था का मार्गदर्शन करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, साथ ही आपको हमेशा याद रखना चाहिए कि हर आंकड़े के पीछे एक मानवीय कहानी होती है। आर्थिक नीति की वास्तविक कसौटी केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि उसके परिणामों में होती है। इसे खासकर सबसे कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार लाना चाहिए।''

राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारियों के कार्यों का मार्गदर्शन सहानुभूति की गहरी भावना और समावेशी तथा न्यायसंगत विकास के प्रति प्रतिबद्धता से होना चाहिए।

मुर्मू ने आईईएस अधिकारियों से ईमानदारी एवं पेशेवर मानकों को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, '' सार्वजनिक सेवा में विश्वास आपकी सबसे मूल्यवान पूंजी है और इसे आपके निर्णयों तथा कार्यों के माध्यम से अर्जित एवं बनाए रखा जाना चाहिए।''

राष्ट्रपति ने उनसे मिलने आये केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा (सीपीईएस) के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत का दृष्टिकोण ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती और विश्वसनीयता से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, '' बिजली केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है।

रैपर से नेता बने 'बालेन' ने नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल में 'जेन जेड' के विरोध प्रदर्शन के कारण के पी शर्मा ओली नीत सरकार के सत्ता से अपदस्थ होने के छह महीने बाद शुक्रवार को बालेंद्र शाह 'बालेन' ने नेपाल के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

रैपर से नेता बने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के 35 वर्षीय नेता ने शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में अपराह्न 12 बजकर 34 मिनट पर 'शुभ मुहूर्त' में शपथ ली।

बालेन नेपाल में इस पद के लिए लोकतांत्रिक रूप से चुने गए सबसे युवा नेता हैं और वह मधेश क्षेत्र से प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति भी हैं।

उन्हें राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 76 (1) के अनुसार 47वें प्रधानमंत्री के रूप में शुक्रवार को नियुक्त किया।

बालेन के अलावा, शुक्रवार को आयोजित समारोह में कई अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। स्वर्णिम वागले ने वित्त मंत्री, शिशिर खनाल ने विदेश मंत्री और सूडान गुरुंग ने गृह मंत्री के रूप में शपथ ली।

बालेन रक्षा मंत्रालय, उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्रालय का भी कार्यभार संभालेंगे।

वह पूर्व प्रधानमंत्री ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के पिछले साल सितंबर में सत्ता से बेदखल होने के बाद शपथ लेने वाले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित पहले प्रधानमंत्री हैं। भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व वाला 'जेन-जेड' विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था जिसके बाद ओली सरकार गिर गई।

बालेन के शपथग्रहण समारोह में हिंदू और बौद्ध धार्मिक परंपराओं का अनोखा संगम देखने को मिला। समारोह में विस्तृत धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इस दौरान सात ब्राह्मणों ने शंखनाद किया, 108 हिंदू बटुकों या युवा ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चारण किया या स्वस्ति वाचन किया और 107 लामाओं ने मंगल वाचन अथवा बौद्ध धर्मग्रंथों का पाठ किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बालेंद्र शाह को बधाई देते हुए कहा कि वह दोनों देशों के पारस्परिक हित में भारत-नेपाल संबंधों को और गहरा करने के लिए मिलकर काम करने के वास्ते उत्साहित हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, ''बालेंद्र शाह को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए विश्वास को दर्शाती है। मैं हमारे दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक हित में भारत-नेपाल मित्रता एवं सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए आपके साथ निकटता से काम करने के वास्ते उत्साहित हूं।''

पांच मार्च को हुए आम चुनाव में काठमांडू के पूर्व महापौर ने झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से ओली को भारी अंतर से हराया था। आरएसपी ने चुनाव में प्रतिनिधि सभा की कुल 275 सीट में से 182 सीटों पर कब्जा करके प्रचंड विजय हासिल की।

'आर्ट ऑफ गिविंग' के लिए इस साल की थीम घोषित की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केआईआईटी और केआईएसएस विश्वविद्यालय की ओर से 'आर्ट ऑफ़ गिविंग 2026' की थीम घोषित की गई है। दी गई जानकारी के अनुसार, 17 मई 'आर्ट ऑफ़ गिविंग' का स्थापना दिवस है, जिसे दुनियाभर में इसके लाखों समर्थक खुशी, एकजुटता और मानवता की भावना के साथ मनाते हैं। इस साल की थीम 'शेयर टू शाइन' है। संस्थान ने कहा कि हर साल की तरह, हम सरल और सार्थक विचार के साथ आए हैं। यह एक बहुत ही सीधा-सादा विचार है। जब आप अपनी चीज़ें, अपना भोजन, अपना समय, अपना ज्ञान, अपना प्रेम, अपना प्रयास आदि दूसरों के साथ बांटते हैं, तो कम नहीं हो जाते। बल्कि भीतर से चमकने लगते हैं। संस्थान ने कहा कि एक मोमबत्ती दूसरी मोमबत्ती को जलाने से कुछ भी नहीं गंवाती। वह तो बस दुनिया को और ज्यादा रोशन कर देती है।

संस्थापक प्रो. अच्युत सामंत ने आर्ट ऑफ़ गिविंग परिवार के सभी सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि इस विषय को अपने रोज़मर्रा के जीवन में लाएं।

इसके लिए आपके पास बहुत कुछ होना ज़रूरी नहीं है। किसी के साथ भोजन साझा करें, जिन्हें देखभाल की ज़रूरत है उन्हें अपना समय दें, किसी को कुछ सीखने में मदद करें, या बस अपनत्व भरे कुछ शब्द ही कह दें। उन्होंने कहा कि नेक भावनाओं के साथ किया गया एक छोटा-सा प्रयास भी किसी के जीवन में सच्ची रोशनी ला सकता है।

उत्पाद शुल्क में कटौती से उपभोक्ताओं को फायदा होगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के प्रभाव से उपभोक्ताओं की रक्षा होगी।

सरकार द्वारा पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क को घटाकर तीन रुपए प्रति लीटर करने और डीजल को शुल्क से छूट देने की घोषणा का स्वागत करते हुए, फडणवीस ने उपभोक्ताओं को यह ''बड़ा लाभ'' देने के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया के हालात के कारण उत्पन्न बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा।''

फडणवीस ने लोगों से पेट्रोल पंप पर लंबी कतारें न लगाने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे पास पर्याप्त ईंधन है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की जमाखोरी की भी कोई आवश्यकता नहीं है।

फडणवीस ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि लॉकडाउन नहीं लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि देशव्यापी लॉकडाउन की अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11.41 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मार्च को समाप्त सप्ताह में 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर रह गया। मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार में भारी गिरावट की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार घटा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रहा था।

विदेशी मुद्रा भंडार में 27 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में 4.88 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी और यह अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.13 अरब डॉलर बढ़कर 557.69 अरब डॉलर हो गईं।

उमर अब्दुल्ला ने ईरान युद्ध को 'अन्यायपूर्ण और अवैध' बताया, प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ''ईरान पर थोपी गई अन्यायपूर्ण एवं अवैध जंग'' की शुक्रवार को निंदा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस युद्ध को मानवता के हित में समाप्त कराने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया।

अब्दुल्ला ने विधानसभा में सदन के नेता के रूप में यह बयान दिया। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई विधायकों ने इस मामले में बयान दिए जाने की मांग की थी जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि ईरान संकट एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है और यह इस सदन के दायरे में नहीं आता। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं ईरान पर थोपी गई इस अन्यायपूर्ण और अवैध जंग की अपनी और अपने सहयोगियों की ओर से कड़ी निंदा करता हूं। मैं अयातुल्ला अली खामेनेई, उनके सहयोगियों और इस संघर्ष में जान गंवाने वाले सभी लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।'' अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री से भी अपील करता हूं कि वह इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त कराने में मदद के लिए सभी उपलब्ध कूटनीतिक माध्यमों एवं संबंधों का इस्तेमाल करें। इससे न केवल हमें, बल्कि पूरी मानवता को लाभ होगा।''

जम्मू कश्मीर विधानसभा में पांच सप्ताह के अवकाश के बाद शुक्रवार को बजट सत्र फिर से शुरू होने पर हंगामा मचने के बीच सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा।

स्थगन के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने सदन के नेता से ईरान के खिलाफ युद्ध के विरोध में बयान देने की मांग की। इस मांग के समर्थन और विरोध में विभिन्न विधायकों के संक्षिप्त भाषण हुए।

अब्दुल्ला ने विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर से शुरुआत में कहा, ''इस मुद्दे पर सदन एकमत नहीं है; इस पर एक राय नहीं है। यदि आप चाहें, तो चर्चा कराई जा सकती है ताकि अलग-अलग विचार व्यक्त किए जा सकें। अगर मैं इस मांग के पक्ष में बोलूं और उसके बाद विरोध सामने आए तो यह उचित नहीं होगा।'' उन्होंने अध्यक्ष से यह तय करने को कहा कि आगे कैसे बढ़ा जाए।

राठेर ने दोनों पक्षों के कई सदस्यों की राय सुनने के बाद मुख्यमंत्री से सदन में बयान देने का अनुरोध किया और कहा कि संसद में भी ऐसा किया गया है।

अब्दुल्ला ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई भी यहां खड़े होकर ईरान पर थोपे गए अन्यायपूर्ण एवं अवैध युद्ध का समर्थन कर सकता है। कितनी भी निंदा करके यह बयां नहीं किया जा सकता कि मानवता को किस प्रकार कुचला गया और ईरान के सर्वोच्च नेता एवं उनके करीबी सहयोगियों और रिश्तेदारों को किस क्रूर तरीके से मारा गया।'' उन्होंने एक स्कूल पर बमबारी में बड़ी संख्या में छात्राओं के मारे जाने का जिक्र करते हुए कहा कि हाल के समय में इससे अधिक भयावह घटना नजर नहीं आती।

सरकार ने पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क 10-10 रुपए घटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की है। इस कदम से पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की बढ़ी वैश्विक कीमतों से घरेलू उपभोक्ताओं को राहत दी गई है।

बृहस्पतिवार देर रात जारी एक अधिसूचना के अनुसार इसके साथ ही सरकार ने डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर शुल्क लगा दिया है। सरकार ने डीजल के निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और विमान ईंधन पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया है।

पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर तीन रुपए कर दिया गया है, जबकि डीजल पर इसे 10 रुपए से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इससे सरकारी खजाने पर सालाना 1.75 लाख करोड़ रुपए का राजस्व बोझ पड़ने का अनुमान है।

ईंधन निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रिफाइनरी कंपनियों के 'अप्रत्याशित लाभ' (विंडफॉल टैक्स) पर लगाम लगाने के लिए जुलाई 2022 में पहली बार यह कर लगाया गया था। 'अप्रत्याशित मुनाफा' उस अतिरिक्त लाभ को कहते हैं जो कंपनियों को बिना किसी निवेश या प्रयास के केवल वैश्विक परिस्थितियों के कारण अचानक मिलता है। इस कर को दिसंबर 2024 में हटा लिया गया था, जिसे अब दोबारा लागू किया गया है।

बच्चों, किशोरों के बीच सोशल मीडिया के उपयोग का विनियमन करने के लिए कानून लाया जाए : दीपेंद्र हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बच्चों और किशोरों के बीच सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन गेम के बढ़ते उपयोग को विनियमित करने के लिए शुक्रवार को सरकार से एक कानून लाने का अनुरोध किया। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि आजकल घंटों तक बच्चे रील, वीडियो गेम और 'स्क्रोलिंग' में लगे रहते हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा, ''इससे बच्चों और किशोरों में कम उम्र में ही स्मार्ट फोन की लत लग रही है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि इससे जुड़ा एक और गंभीर विषय यह है कि युवाओं के बीच ऑनलाइन सट्टेबाजी का तेजी से प्रसार हो रहा है। हुड्डा ने कहा, ''एविएटर जैसे खेल में, वर्चुअल विमान से उड़ान भरने के साथ पैसे बढ़ने का लालच दिया जाता है। लूडो जैसे खेलों में भी सट्टेबाजी सामान्य चीज हो गई है।'' उन्होंने दावा किया कि सट्टा आधारित खेलों का फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइट पर खुले आम प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 'साइबर धौंस जमाने' के कृत्य और ऑनलाइन उत्पीड़न हो रहे हैं तथा डेटा की गोपनीयता से जुड़े बहुत गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस सांसद ने उल्लेख किया कि विश्व के कई देशों में इसे लेकर बहुत कड़े नियम बनाये गए हैं। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों/किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी है। फ्रांस में 15 साल से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। चीन में प्रतिदिन केवल एक से दो घंटे का 'स्क्रीन टाइम' निर्धारित किया गया है। अमेरिका के कुछ प्रांतों में रात्रिकालीन प्रतिबंध लगाये गए हैं।''

सरकार ने रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 2.38 लाख करोड़ रु. के प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एस-400 मिसाइलों और परिवहन विमान सहित 2.38 लाख करोड़ रुपए के हथियारों और सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दी।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए मध्यम परिवहन विमान, सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की एस-400 मिसाइल प्रणाली, ड्रोन की खरीद और एसयू-30 एयरो इंजन की मरम्मत के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

इसने कहा कि एएन32 और आईएल76 परिवहन विमानों के बेड़े को बदलकर मध्यम परिवहन विमानों को शामिल करने से सेवाओं की रणनीतिक, सामरिक और परिचालन हवाई परिवहन आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा।

संसद ने आम बजट 2026-27 को मंजूरी दी, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, लॉकडाउन की गुंजाइश नहीं

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने शुक्रवार को आम बजट 2026-27 को मंजूरी दे दी तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य के आसमान छूने के बीच दो-टूक शब्दों में कहा कि भारत में लॉकडाउन की कोई गुंजाइश नहीं है तथा इसे लेकर गलतफहमी नहीं फैलायी जानी चाहिए। राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब के बाद वित्त विधेयक 2026-27 को ध्वनिमत से लौटा दिया। इसी के साथ उच्च सदन ने अनुदान की अनुपूरक मांगों और उससे जुड़े विनियोग विधेयक को भी ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा इनको पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

राज्यसभा में वित्त मंत्री ने वित्त विधेयक और विनियोग विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश को विकसित बनाने और 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। चर्चा के दौरान कुछ सदस्यों ने यह प्रश्न किया था कि पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद कर घटाये जाने के बाद सरकार 4.3% के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को कैसे हासिल करेगी? इसका जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार के कुल राजस्व में उत्पाद शुल्क से होने वाले राजस्व का योगदान करीब 10% होता है। अतिरिक्त साधनों को जुटाना, विकास को बढ़ावा देने वाले व्यय को प्राथमिकता देना, कल्याणकारी व्यय को बेहतर तरीके से लक्षित करना तथा राजकोषीय कामकाज में अधिक पारदर्शिता रखना, सरकार की महत्वपूर्ण पहचान रहे हैं।

जबरन धर्मांतरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, सुमेर सिंह सोलंकी ने केंद्रीय कानून की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मध्य प्रदेश से भाजपा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी ने जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कड़े केंद्रीय कानून की मांग करते हुए शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है और आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक पहचान पर इसका असर पड़ रहा है।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सोलंकी ने कहा कि संविधान धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन धोखे, दबाव और लालच के जरिए किया गया धर्मांतरण कानूनी और नैतिक दोनों दृष्टि से अपराध है। उन्होंने कहा, इस प्रकार के धर्मांतरण हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन गए हैं और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सांसद ने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय की पहचान सनातन धर्म की संस्कृति और परंपराओं में निहित है, लेकिन इस समुदाय को डर, दबाव और धमकी; रोजगार, चिकित्सा और शिक्षा के प्रलोभन; नशा, अंधविश्वास और भ्रामक जानकारी; अशिक्षा और गरीबी ; तथा फर्जी विवाह जैसे माध्यमों से निशाना बनाया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संगठित और सामूहिक धर्मांतरण संगठित अपराध की श्रेणी में आते हैं।

सोलंकी ने कहा, हमारे आदिवासी भाइयों और बहनों की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराएं, रीति-रिवाज और पहचान को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है। गांवों में तनाव बढ़ रहा है और देश के कई हिस्सों से शिकायतें सामने आ रही हैं।

छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने वाला विधेयक लोकसभा में पेश किया गया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और व्यापार एवं जीवन में सुगमता बढ़ाने के लिए शुक्रवार को लोकसभा में एक विधेयक पेश किया। वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने एक संसदीय समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद, जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। कांग्रेस सांसद के. काव्या और जी.के. पडवी ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है।

पडवी ने सरकार से विधेयक को प्रवर समिति के पास वापस भेजने या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''यह एक प्रशासनिक चूक है... विधेयक मनमाना है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। इस पर पुन: विचार-विमर्श किया जाना चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रवर समिति की रिपोर्ट में भी विधेयक के प्रावधानों को लेकर असहमति जताई गई है। पडवी ने कहा कि इसमें ''न्यायिक निगरानी की कमी'' है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का हनन करता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक कानून का उल्लंघन करने का लाइसेंस देता है। उन्होंने दावा किया, ''बड़ी कंपनियां जवाबदेही से बच जाएंगी और गरीब लोग कड़े प्रवर्तन का सामना करेंगे।''

सारे भगोड़े कारोबारियों ने कांग्रेस के समय लिया था कर्ज : दुबे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे भगोड़े कारोबारियों को लेकर सरकार पर निशाना साधने के लिए कांग्रेस पर पलटवार किया और कहा कि संप्रग सरकार के समय इन लोगों को कर्ज दिया गया। उन्होंने लोकसभा में दिवाला और शोधन अक्षमा संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि देश छोड़कर भागने वाले सारे कारोबारियों ने 2004 से 2014 के बीच संप्रग सरकार के दौरान बैंकों से कर्ज लिया था। दुबे ने कहा कि भले ही ये लोग देश छोड़कर राजग सरकार में गए हों, लेकिन उन्हें कर्ज संप्रग के समय दिया गया था।

दुबे ने दावा किया कि 1947 में देश की आजादी के बाद से बैंकों ने 52 लाख करोड़ रुपए का ऋण दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें से 15 लाख करोड़ रुपए डूब चुके और 9 लाख करोड़ रुपए के बारे में यह अनिश्चितता की स्थिति है कि ये मिलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि तब मोदी सरकार दुनियाभर से प्रेरणा लेकर दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) लाई।

वैश्विक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल में तेजी के साथ सेंसेक्स 1,690 अंक लुढ़का, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को दो दिन की तेजी थम गई और बीएसई सेंसेक्स 1,690 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 487 अंक की गिरावट आई। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आने के संकेत के अभाव में बाजार में गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने, रुपए में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी बाजार की धारणा को कमजोर किया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,690.23 अंक यानी 2.25 प्रतिशत गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,739.04 अंक टूटकर 73,534.41 तक पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कुल शेयरों में से 3,544 शेयरों में गिरावट, 822 में बढ़त और 135 शेयर स्थिर रहे। एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 486.85 अंक यानी 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819.60 पर बंद हुआ। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी दिवस वाले सप्ताह में, बीएसई सेंसेक्स 949.74 अंक टूटा और निफ्टी 294.9 अंक नीचे आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा 4.55 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, उसके बाद इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन में बढ़त दर्ज की गई। बीएसई मिडकैप सिलेक्ट सूचकांक में 2.12 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप सिलेक्ट सूचकांक 1.77 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.72 प्रतिशत बढ़कर 109.9 डॉलर प्रति बैरल हो गया। रुपया 86 पैसे कमजोर होकर 94.82 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,805.37 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,429.78 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम ने चंडीगढ़ में एअर शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम (एसकेएटी) ने शुक्रवार को यहां एक एअर शो के दौरान सुखना झील के ऊपर शानदार हवाई करतब दिखाए।

अधिकारियों के अनुसार, आधा घंटे तक चले इस कार्यक्रम में छात्रों समेत बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। इस दौरान आसमान में बादल छाए थे। 'हॉक एमके-132' विमानों ने 'लूप', 'बैरल रोल', 'इनवर्टेड फ्लाइंग' और हवाई गोताखोरी जैसे करतब दिखाए, साथ ही धुएं का इस्तेमाल करते हुए 'डीएनए' और 'वाई' (युवा) जैसी आकृतियां भी बनाईं। वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले ये विमान शो के दौरान झील के ऊपर से गुजरे। चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच राजेश प्रसाद और उपायुक्त निशांत कुमार यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे। एसकेएटी के सदस्यों ने एअर शो से पहले बृहस्पतिवार को पंजाब लोक भवन में पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने संवाददाताओं को बताया था कि कार्यक्रम के मद्देनजर यातायात, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए 1,300 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

तमिलनाडु चुनाव : राजग के दो घटक दलों ने उम्मीदवार घोषित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के दो घटक दलों ने शुक्रवार को अपने उम्मीदवारों की घोषणा की, जिनमें से एक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव चिह्न 'कमल' पर और दूसरा गठबंधन की अगुवाई कर रहे ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के चिह्न 'दो पत्तियों' के साथ मैदान में उतरेगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जी.के. वासन ने तमिल मनिला कांग्रेस (मूपनार) को आवंटित पांच सीट के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए, जबकि पूर्व सांसद पारिवेंधर नीत इंडिया जननायक काची (आईजेके) ने दो विधानसभा सीट के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा की।

वासन ने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी (एम) भारतीय जनता पार्टी के 'कमल' चुनाव चिह्न पर लड़ेगी, जबकि आईजेके अन्नाद्रमुक के चुनाव चिह्न 'दो पत्तियों' पर चुनाव मैदान में उतरेगी। वासन ने उम्मीदवारों की घोषणा के लिए ''शुभ समय'' का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने पार्टी की भावना को ध्यान में रखते हुए अपराह्न 12 बजकर 12 मिनट पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वी.एम. कार्तिकियन रानीपेट से, एम. युवराज इरोड पश्चिम से, पूर्व विधायक विदियाल' एस. शेखर ओड्डुंचत्तिरम से और एम.के.आर. अशोक कुमार कुंभकोणम से चुनाव लड़ेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री वासन ने कहा कि जे. निविन साइमन किल्लियूर सीट से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने राजग को विजयी ''गठबंधन'' करार देते हुए कहा कि पार्टी भाजपा के चुनाव चिह्न ''कमल' पर चुनाव लड़ेगी। वासन ने कहा, जनमत अन्नाद्रमुक नीत राजग के पक्ष में है, जो एक विजयी गठबंधन है।

इस बीच, आईजेके अध्यक्ष रवि पचमुथु ने अपने पिता एवं पार्टी संस्थापक पारिवेंधर की मौजूदगी में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वेंकटेशन पल्लवरम और सरन्या अनबाझगन कुन्नम से चुनाव लड़ेंगे। पारिवेंधर ने बताया कि उनकी पार्टी दो 'पत्तियां' के चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, राजग की एक अन्य सहयोगी पुथिया निधि काची भी दो सीट पर चुनाव लड़ेगी।

पार्टी प्रमुख ए.सी. षणमुगम ने कहा कि उनकी पार्टी एक सीट पर 'कमल' और दूसरी सीट पर 'दो पत्तियां' चिन्ह के साथ मैदान में उतरेगी। षणमुगम ने संकेत दिया कि भारतीय जनता पार्टी ने अन्नाद्रमुक नीत गठबंधन में अपने 27 सीट के हिस्से में से एक सीट उनकी पार्टी को दी है।

उन्होंने कहा कि जिन सीट पर उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी, उनके नामों की घोषणा बाद में की जाएगी।

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें कुछ विधायकों को बरकरार रखा गया है। इस सूची में कई पूर्व मंत्री व पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हैं। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव के पलानीस्वामी ने 127 सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, जिनमें तिरुनेलवेली विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है, जहां से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने 2021 के चुनावों में जीत हासिल की थी। अन्नाद्रमुक ने इस निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के वरिष्ठ नेता थंजई एन गणेशराज को उतारा है।

इससे पहले नागेंद्रन ने कहा था कि वह विरुधुनगर जिले की सत्तूर सीट से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व राज्य मंत्री बी वी रमना को तिरुवल्लूर से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक, पोलाची वी. जयरामन को पोलाची से फिर से मैदान में उतारा गया है। मदुरंथकम से पार्टी विधायक मरगदम कुमारवेल फिर से चुनाव लड़ेंगे। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व कर रही अन्नाद्रमुक 169 सीट पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने पहली सूची में 23 सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। पहली सूची में पलानीस्वामी का भी नाम था। जारी की गई दूसरी सूची के साथ, पार्टी ने 150 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव एक ही चरण में 23 अप्रैल को होंगे। राजग के अन्य घटक दलों में भाजपा, पीएमके और एएमएमके शामिल हैं।

तमिलनाडु चुनाव के लिए 28 में से पांच सीट पर द्रमुक के साथ बातचीत में फैसला लेंगे : टीएनसीसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 23 निर्वाचन क्षेत्रों को चिह्नित कर लिया है, लेकिन पांच लंबित सीट पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ जारी बातचीत के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने समन्वय बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''राज्य की 28 में से 23 सीट चिह्नित कर ली गई हैं। हम लंबित पांच सीट पर अंतिम निर्णय लेने के लिए फिर बैठकर बात करेंगे।'' उन्होंने इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि सभी सीट पर अंतिम निर्णय लेने में देरी लंबी चर्चा के कारण हुई है।

टीएनसीसी प्रमुख ने शेष सीट पर गतिरोध के बारे में बताते हुए कहा, ''बातचीत सौहार्दपूर्ण ढंग से हुई और अच्छी प्रगति भी हुई है। हालांकि, सहयोगी दलों के अनुरोधों और कुछ गठबंधन सहयोगियों द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने के कारण, वे हमें हमारी मांगी गई दो सीट नहीं दे पाए। उनके जो भी कारण थे हमने इसे स्वीकार कर लिया है।'' विवाद का एक अहम मुद्दा कन्याकुमारी क्षेत्र और कांग्रेस के पास मौजूद कुछ सीट हैं।

सेल्वापेरुन्थगई ने कहा, ''हम खास तौर पर कन्याकुमारी की तीन सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। वे इनमें से एक सीट मांग रहे हैं, लेकिन हमारे एआईसीसी नेतृत्व ने पहले ही इस बारे में बता दिया था। इसे छोड़ना मुश्किल है।''

उन्होंने बताया कि पार्टी इरोड ईस्ट निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने के लिए उत्सुक है। उन्होंने स्थानीय मुद्दों के बारे में कहा, ''एक सीट के लिए हमारे उम्मीदवार को लेकर समस्या है। श्रीवैकुंठम सीट के समाधान के लिए हम मुख्यमंत्री से बात करेंगे।''

टीएनसीसी अध्यक्ष ने पुष्टि की है कि पार्टी ने उन 16 सीट पर फिर से कब्जा कर लिया है जहां वह पहले विजयी रही थी। उन्होंने कहा, हमने 16 निर्वाचन क्षेत्रों पर फिर से हासिल कर लिया है। जिन 23 सीट पर फैसला हुआ है, उनमें से लगभग सभी जीती गई सीट हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नयनार नागेंद्रन सत्तूर से चुनाव लड़ेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्याकुमारी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नयनार नागेंद्रन ने शुक्रवार को 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में विरुधुनगर जिले के सत्तूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की। नागेंद्रन ने 2021 के विधानसभा चुनाव में तिरुनेलवेली सीट से जीत हासिल की थी।

नागेंद्रन के अलावा, पार्टी की महिला मोर्चा अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ सकती हैं। श्रीनिवासन ने 2021 के विधानसभा चुनाव में अभिनेता से नेता बने कमल हासन को हराकर कोयंबटूर दक्षिण से जीत दर्ज की थी। उन्होंने शुक्रवार को कन्याकुमारी दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा, मैं 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तूर से चुनाव लड़ूंगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार चुनाव में विजयी होंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, यह फैसला राज्य में पार्टी की उपस्थिति बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। हाल में सीट बंटवारे के लिये हुए समझौते के तहत अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने भाजपा को 27 सीट आवंटित की हैं, हालांकि पार्टी को तिरुनेलवेली और कोयंबटूर दक्षिण सीट नहीं मिली हैं। जब श्रीनिवासन से पूछा गया कि क्या वह किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी, तो उन्होंने 26 मार्च को संवाददाताओं से कहा कि पार्टी आलाकमान तय करेगा कि कौन कहाँ से चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा, मैं पार्टी के फैसले का पालन करूँगी। भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है।

निर्वाचन आयोग के उड़न दस्ते ने 77 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण जब्त किये

चेन्नई। निर्वाचन आयोग के उड़न दस्ते ने चेन्नई शहर में वाहनों की जांच के दौरान 77.29 करोड़ रुपये मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण जब्त किये हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ये आभूषण 26 मार्च की रात टी. नगर विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर इलाके में जब्त किये गये। इसने बताया कि निर्वाचन आयोग के उड़न दस्ते ने वाहनों की जांच के दौरान एक वाहन से लगभग 381 किलोग्राम सोने और चांदी के आभूषण बरामद किये।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वाहन चालक से पूछताछ करने पर पता चला कि आमतौर पर जिस वाहन से गहने ले जाये जाते थे, उसका टायर फट गया था, इसलिए आभूषणों को दूसरे वाहन से जौहरी के पास ले जाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि हालांकि मौके पर आभूषणों से संबंधित वैध दस्तावेज पेश न कर पाने के कारण पूरा सामान जब्त कर लिया गया।

बीआईएस ने इलेक्ट्रिक ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक हैमर और लिफ्ट के लिए गाइड रेल के लिए देश का पहला आईएसआई लाइसेंस प्रदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने चेन्नई के तारामणि स्थित सीआईटी परिसर में स्थित बीआईएस चेन्नई शाखा कार्यालय में मानक संवाद बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यह था कि देश में पहली बार ग्राइंडर और हैमर जैसे इलेक्ट्रिक पावर टूल्स पर आईएसआई चिह्न के उपयोग के लिए बीआईएस लाइसेंस मेसर्स बॉश लिमिटेड को और लिफ्ट के लिए गाइड रेल के उपयोग के लिए मेसर्स सवेरा इंडिया राइडिंग सिस्टम्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया। विभिन्न क्षेत्रों के 33 नए लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं को भी औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र सौंपे गए, जिन्हें जनवरी और फरवरी 2026 के महीनों के दौरान बीआईएस लाइसेंस प्रदान किए गए थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री एस.डी. दयानंद, वैज्ञानिक–एफ / वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस चेन्नई शाखा कार्यालय द्वारा दिए गए स्वागत भाषण और कार्यक्रम के उद्देश्यों के साथ हुआ। उन्होंने सभी नए लाइसेंसधारियों का बीआईएस प्रणाली में स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय मानक उद्योगों में उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे बताया कि मानकों का पालन न केवल भारतीय निर्माताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है, बल्कि राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करता है और गुणवत्ता–आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण की परिकल्पना को साकार करने में सहायक होता है।

कार्यक्रम में स्वागत किटों का वितरण भी शामिल था, जिसके बाद एक संवादात्मक ओपन हाउस सत्र आयोजित किया गया, जिसमें लाइसेंस धारकों ने बीआईएस अधिकारियों के साथ अपने प्रश्न और प्रतिक्रिया साझा की। प्रतिभागियों ने बीआईएस लाइसेंसिंग प्रक्रिया की सरलता और पारदर्शिता की सराहना की।

दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल टेक्नोलॉजी का 19 वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। सीएसआईआर–सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट, अड्यार के निदेशक डॉ. पी. थानिकैवेलन ने दीक्षांत भाषण दिया और स्नातकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। अन्ना विश्वविद्यालय से विनिर्माण इंजीनियरिंग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री जे. इवानजलाइन क्रिस्टीना मालार को डिग्री प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

तमिलनाडु के मंदिर से चोरी की गई तीन मूर्तियां भारत को लौटाएगा अमेरिकी संग्रहालय

चेन्नई/वॉशिंगटन। अमेरिका स्थित' स्मिथसोनियंस नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट' तमिलनाडु के मंदिरों से चोरी की गईं तीन प्राचीन मूर्तियां भारत को लौटाएगा। इन मूर्तियों को भारत के मंदिरों से चुराए जाने की बात शोध से स्थापित हो जाने के बाद यह फैसला किया गया। अमेरिका में भारतीय दूतावास की उप प्रमुख नामग्या खम्पा ने नौवीं सदी की शिव नटराज कांस्य मूर्ति, 12वीं सदी की शिव एवं उमा की मूर्ति तथा 16वीं सदी की संत सुंदरार के साथ परवी की मूर्ति की वापसी के लिए यहां 'नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट' (एनएमएए) के निदेशक चेस रॉबिन्सन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, स्मिथसोनियंस नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट से तीन अमूल्य प्राचीन वस्तुएं भारत वापस भेजी जा रही हैं: नौवीं सदी की शिव नटराज कांस्य मूर्ति, 12वीं सदी की शिव एवं उमा की मूर्ति तथा 16वीं सदी में संत सुंदरार के साथ परवी का चित्रण। उसने बताया कि इन प्राचीन वस्तुओं की उत्पत्ति से जुड़े शोध के बाद संग्रहालय ने पाया कि इन्हें भारत से अवैध रूप से हटाया गया था।

'शिव और उमा' की मूर्ति, जिसे 'सोमस्कंद' भी कहा जाता है और परवी के साथ 'संत सुंदरार' की मूर्ति 1987 में आर्थर एम सैकलर द्वारा संग्रहालय को दान किए गए संग्रह का हिस्सा थीं।

एएआई ने फर्जी नौकरी प्रस्तावों के संबंध में सार्वजनिक सलाह जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने आम जनता को सूचित किया है कि कई नौकरी चाहने वालों को कथित तौर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), मदुरै अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोजगार के प्रस्ताव दिए गए हैं, जिसके बदले में उन्हें पैसे का भुगतान करने का प्रस्ताव दिया गया है।

इस संबंध में, आम जनता को आगाह किया जाता है कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अनौपचारिक चैनलों के माध्यम से उम्मीदवारों से सीधे संपर्क नहीं करता है, और न ही भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में संभावित उम्मीदवारों से किसी भी प्रकार का भुगतान मांगता है या स्वीकार करता है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) में सभी वैध नौकरी रिक्तियों की घोषणा केवल आधिकारिक एएआई वेबसाइट: ,.ररळ.रशी के माध्यम से की जाती है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे रोजगार संबंधी किसी भी सूचना की पुष्टि इसी आधिकारिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से करें। जनता से आग्रह है कि वे सतर्क रहें और ऐसे धोखाधड़ी वाले दावे करने वाले अनाधिकृत व्यक्तियों या संस्थाओं से संपर्क न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी जानी चाहिए। एएआई जनहित में यह सलाह जारी कर रहा है।

दावणगेरे विस उपचुनाव कांग्रेस एकजुट होकर लड़ेगी : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने दावणगेरे दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार चयन को लेकर पार्टी के भीतर किसी भी तरह की नाराजगी से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा कि सभी नेता पार्टी के फैसले को मानेंगे। शिवकुमार ने यह भी दावा किया कि अल्पसंख्यक या अन्य किसी भी समुदाय के वोटों में कोई विभाजन नहीं होगा, क्योंकि कांग्रेस को सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त है। दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट विधानसभा क्षेत्रों में नौ अप्रैल को उपचुनाव होंगे। ये उपचुनाव क्रमश: कांग्रेस के वरिष्ठ विधायकों शमनूर शिवशंकरप्पा और एच. वाई. मेती के निधन के कारण जरूरी हो गए हैं।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के प्रयासों से मान गए सादिक पहलवान

कांग्रेस ने दावणगेरे दक्षिण से शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते समर्थ मल्लिकार्जुन को उम्मीदवार बनाया है। उनके पिता एस. एस. मल्लिकार्जुन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की सरकार में मंत्री हैं और दावणगेरे जिले के प्रभारी भी हैं, जबकि उनकी मां प्रभा मल्लिकार्जुन उसी क्षेत्र से सांसद हैं। सादिक पहलवान ने नामांकन दाखिल कर बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। उन्हें इस सीट पर कांग्रेस टिकट का दावेदार माना जा रहा था। इस निर्वाचन क्षेत्र में अच्छी खासी संख्या में मुसलमान हैं। ऐसे में इस समुदाय ने कांग्रेस की ओर से किसी मुस्लिम नेता को देने की जोरदार मांग उठाई थी। पार्टी के कुछ धड़ों ने शमनूर परिवार को टिकट देने का विरोध भी किया था। वहीं दावणगेरे दक्षिण विधानसभा उपचुनाव सीट से बागी उम्मीदवार सादिक पहलवान को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी नेताओं विधायम रिजवान अरशद और परिषद के व्हिप सलीप अहमद के जरिए शुक्रवार को बेंगलूरु के कुमारापार्क में अपने अधिकारिक घर पर बुलाया और बातचीत के बाद, वह उन्हें चुनाव मैदान से हटने के लिए मानने में कामयाब रहे। शिवकुमार ने कहा, सभी हमारे लोग हैं मुख्यमंत्री और मैंने इस पर चर्चा की है, लेकिन मैं उसका विवरण सार्वजनिक नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सादिक पहलवान समेत जिन लोगों ने पार्टी का टिकट मांगा था, वे सभी अपने लोग हैं, वैसे भी चुनाव के दौरान मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन उसे दूर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय या अन्य समुदाय के वोटों में बंटवारा नहीं होगा। शिवकुमार ने विश्वास जताया कि समर्थ मल्लिकार्जुन दिवंगत शिवशंकरप्पा से भी बड़े अंतर से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि उस परिवार ने दावणगेरे के विकास में बड़ा योगदान दिया है, जिसे लोग याद करते हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी ने दावणगेरे दक्षिण से श्रीनिवास टी. डी को उम्मीदवार बनाया है।

पलक्कड़ में महिला ने कांग्रेस पार्षद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया

पलक्कड़। केरल में एक महिला ने कांग्रेस पार्षद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और पुलिस को शिकायत दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अनुसूचित जनजाति समुदाय की शिकायतकर्ता ने पलक्कड़ नगरपालिका के 24वें डिवीजन से कांग्रेस पार्षद प्रशोब सी वलसन के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के अनुसार, वह एक ब्यूटीशियन के रूप में काम करती है और अपनी सहेली के साथ साझा आवास में रहती है। उसने आरोप लगाया कि जब वह पार्षद के पिता की दुकान पर चाय पीने गई थी, तब उन्होंने उससे दुर्व्यवहार किया था।

इसके बाद, प्रशोब ने उससे दोस्ती की और बाद में रिश्ते का प्रस्ताव रखा। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उसकी आमदनी स्थिर नहीं थी, इसलिए उसने पूर्णकालिक नौकरी दिलाने में मदद मांगी, जिसे दिलाने का वादा प्रशोब ने कथित तौर पर किया था। शिकायत में कहा गया है कि पार्षद बाद में उस महिला के कमरे में तब आया जब उसकी सहेली वहां मौजूद नहीं थी और उसने यौन उत्पीड़न किया। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि ऐसी घटनाएं एक से अधिक बार हुईं।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और मामला दर्ज किया जाएगा।

बच्चों के पोषण और संपूर्ण विकास के लिए आंगनबाड़ी केंद्र बने मजबूत : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप प्रदेश में महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में संवेदनशील दृष्टिकोण से काम किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसी क्रम में महिलाओं के सशक्तीकरण, बाल विकास और संरक्षण, पोषण स्तर में सुधार, आंगनबाड़ियों की मजबूती एवं गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया है। राजस्थान में महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध हो इसके लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सफल क्रियान्वयन से राजस्थान जनवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में संपूर्ण देश में प्रथम स्थान पर तथा फरवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में द्वितीय स्थान पर रहा। इस योजना में 26 मार्च तक 11 लाख 52 हजार 08 गर्भवती महिलाओं को 553 करोड़ रुपये हस्तांरित किए गए हैं। इसी प्रकार गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा 3 वर्ष तक की आयु के बच्चों में पोषण की स्थिति को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना का भी सफल संचालन किया जा रहा है। इस योजना में 26 मार्च तक 5 लाख 15 हजार 818 लाभार्थियों को 172 करोड़ 19 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

राजस्थान में बच्चों के संपूर्ण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए पोषण के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। 6 हजार 200 से अधिक मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को मुख्य आंगनबाड़ी केंद्रों में क्रमोन्नत किया गया है। 2 हजार 365 आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। बच्चों की नियमित वृद्धि निगरानी सुनिश्चित करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 21 हजार 367 वजन मशीन (मातृ एवं शिशु हेतु), 31 हजार 694 इन्फेन्टोमीटर (2 वर्ष तक के बच्चों की लम्बाई मापने हेतु) एवं 31 हजार 694 स्टेडियोमीटर (बच्चों की ऊंचाई मापने हेतु) उपलब्ध करवाए गए हैं।

इसी प्रकार वर्ष 2025 में 20 हजार 85 स्मार्ट फोन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिला पर्यवेक्षकों को उपलब्ध करवाए गए हैं। 7 हजार 273 नंद घर विकसित किए जा चुके हैं। वहीं, मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन गर्म दूध उपलब्ध करवाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि का महत्वपूर्ण फैसला भी किया गया।

राजस्थान में 60 हजार 404 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 'पोषण भी-पढ़ाई भी' के अनुसार शाला पूर्व शिक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। वहीं, नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर प्रदेश में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए उमंग तरंग एवं किलकारी वर्कबुक से शालापूर्व गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रेरणा अभियान 2.0 के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर लगभग 1 लाख 58 हजार नवीन लाभार्थियों को जोड़ा गया है।

राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। इस कड़ी में बेटी के जन्म को बढ़ावा देने और उसके सर्वांगीण विकास के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इसमें बेटी के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता 7 किस्तों में दी जाती है। योजना की शुरुआत से अब तक लगभग 6 लाख 53 हजार बालिकाओं को प्रथम किस्त से लाभांवित किया जा चुका है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना में 33 हजार 904 बेटी जन्मोत्सव समारोह आयोजित किए गए हैं, जिसमें लगभग 1 लाख 95 हजार बालिकाओं के जन्मोत्सव मनाए गए तथा ग्राम पंचायतों पर 2 लाख 72 हजार वृक्षों का रोपण किया गया।

महिलाओं एवं बालिकाओं की मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को सुनने तथा परामर्श देने के लिए जिला मुख्यालयों पर पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इसमें अब तक 5 लाख 48 हजार महिलाओं एवं स्कूली बालिकाओं को परामर्श सेवाएं प्रदान की गई हैं।

राजस्थान में पीएम-कुसुम योजना के तहत अब तक 1,617 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार की किसानों के लिए शुरू की गई 'पीएम-कुसुम' योजना के तहत राजस्थान में अब तक 3,585 मेगावाट क्षमता के 1,617 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस योजना के माध्यम से राज्य में ऊर्जा क्षेत्र में नई क्रांति का सूत्रपात हो रहा है। बयान में कहा गया कि कुसुम योजना के 'कंपोनेंट-ए' और 'कंपोनेंट-सी' के तहत गांव-ढाणियों में ये संयंत्र लगाए गए हैं जिनमें से 3,462 मेगावाट क्षमता के 1,525 संयंत्र पिछले दो वर्ष तीन माह में स्थापित किए गए हैं।

इसमें कहा गया कि यह योजना को मिले प्रोत्साहन और जनभागीदारी को दर्शाता है। बयान में कहा गया कि 'कंपोनेंट-ए' के तहत 686 मेगावाट के 496 संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिसमें राजस्थान देश में पहले स्थान पर है, जबकि 'कंपोनेंट-सी' के तहत 2,899 मेगावाट के 1,121 संयंत्र लगे हैं, जिसमें राज्य दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया, इससे किसानों को दिन में सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध हो रही है। गांव-ढाणियों और घर रोशन हो रहे हैं। इसमें कहा गया कि इस योजना के माध्यम से किसानों को 'अन्नदाता' से 'ऊर्जादाता' बनने का अवसर मिला है, जिससे कोयले से उत्पन्न बिजली पर निर्भरता कम हुई है और स्वच्छ, सस्ती सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ा है।

बयान में यह भी कहा गया कि 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसमें कहा गया कि वर्तमान में इन संयंत्रों से प्रदेश के 2.29 लाख से अधिक किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। हाल के समय में योजना के तहत संयंत्रों को स्थापित करने में तेजी आई है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगम क्षेत्रों में प्रतिदिन औसतन तीन से चार संयंत्र स्थापित हो रहे हैं, जिससे करीब 10 मेगावाट क्षमता रोजाना ग्रिड से जुड़ रही है। बयान में कहा गया कि इस वर्ष जनवरी में 286 मेगावाट और फरवरी में 295 मेगावाट क्षमता के संयंत्र ग्रिड से जोड़े जा चुके हैं।

'एलपीजी की कमी' के विरोध में कांग्रेस का जयपुर में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस पार्टी ने रसोई गैस (एलपीजी) की कथित कमी से आम लोगों को हो रही परेशानी के विरोध में शुक्रवार को जयपुर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की 'गलत नीतियों' के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। जयपुर के शहीद स्मारक पर आयोजित धरना-प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में उद्योगों से लेकर आम जनता तक सभी परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसकी कोई चिंता नहीं है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की नीतियों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश की छवि प्रभावित हो रही है। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि देश में पैदा हुई मौजूदा स्थिति को समझने की जरूरत है, लेकिन सरकार इसे छिपाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की 'गलत नीतियों' के चलते ही यह हालात बने हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं और परेशानियों को मजबूती से उठाती रहेगी।

इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सहकारी समितियों को आय बढ़ाने की आवश्यकता : राजफेड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लिमिटेड (राजफेड) के प्रशासक डॉ. समित शर्मा ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' नया विचार नहीं होकर एक-दूसरे की मदद करने की हमारी परम्परा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएंगे।

डॉ. शर्मा शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन के सभागार में राजफेड की 69वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के प्रतिनिधि के रूप में ईश्वर ने हमें किसानों के परिवार में खुशहाली और समृद्धि लाने का अवसर दिया है। किसान खुशहाल होगा तभी देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को चिंता से मुक्ति दिलाकर आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद योजना लागू की। इस योजना से बड़ा परिवर्तन यह आया है कि अन्न उत्पादन में आज देश आत्मनिर्भर हो चुका है तथा दूसरे देशों को अन्न का निर्यात करने लगा है।

राजफेड प्रशासक ने कहा कि सहकारी समितियों को अपने व्यवसाय में वृद्धि कर आय बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों को अपने साथ जोड़ने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जो अन्न खाते हैं वह हमारे शरीर के अनुकूल होना चाहिए। इसके लिए अन्न को प्रोत्साहित किया जाना समय की आवश्यकता है। फसल में रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों का उपयोग संतुलित रूप में किया जाए। साथ ही, जैविक खेती व उत्पादों को अपनाने के लिए किसानों और आमजन को जागरूक किया जाए। डॉ. शर्मा ने प्रदेश भर से आए क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं प्रशासकों के सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर सूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता एवं किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जाएंगे।

राजफेड के प्रबंध निदेशक बचनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि विगत दिनों में क्रय-विक्रय सहकारी समितियों को 183 करोड़ रुपए की बकाया राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि समितियों की नियमित आय के लिए खरीद के अलावा अन्य विकल्पों को अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है। कृषि विभाग से समन्वय कर खाद का सहकारी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर आवंटन करवाने के प्रयास किए जाएंगे। अग्रवाल ने कहा कि जो समितियां बीज उत्पादन, जैविक खेती और निर्यात से जुड़ना चाहती हैं।

पाकिस्तानी गैंगस्टर से संबंध रखने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी आतंकी से संपर्क रखने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान आकाशदीप (20) के रूप में हुई है और वह केसरीपुर का निवासी है। पुलिस के अनुसार, वह इंस्टाग्राम और व्हाटसऐप के माध्यम से पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शहजाद भट्टी समेत कुछ व्यक्तियों के संपर्क में था। लालगढ़ के थाना प्रभारी गुरनेल सिंह ने बताया कि आकाशदीप को बृहस्पतिवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 (भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्य) के तहत गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से बरामद मोबाइल फोन की जांच में उसके पाकिस्तानी संपर्कों के साथ बातचीत के साक्ष्य मिले हैं। वह सोशल मीडिया पर शहजाद भट्टी को फॉलो करता था और उसके साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई एक तस्वीर भी अपने पास रखता था, जिसे वह स्थानीय लोगों को दिखाकर उससे संबंध होने का दावा करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को पहले हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच जारी है।

जल प्रबंधन परियोजनाओं की गणना समयबद्ध पूर्ण, प्रदेश को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में राजस्थान ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की प्रथम गणना समय पर पूर्ण करने पर जल शक्ति मंत्रालय ने राज्य को शील्ड एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया है। यह सम्मान डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित विश्व जल दिवस कॉन्क्लेव के दौरान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से मुख्य अभियंता (एसडब्ल्यूआरपीडी) ने सम्मान प्राप्त किया। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों और अभियंताओं के पूर्ण जिम्मेदारी से किए कार्यों की सराहना करते हुए इसे टीम वर्क का परिणाम बताया। परियोजनाओं से संबंधित आंकड़ों का संकलन, सत्यापन एवं पोर्टल पर अपलोडिंग का कार्य अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता स्तर तक समयबद्ध रूप से संपन्न किया गया।

राज्य स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से इस प्रक्रिया को गति प्रदान की गई। निर्धारित समय से पूर्व कार्य पूर्ण करना प्रशासनिक दक्षता और प्रभावी जल प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

यूडी टैक्स संग्रह में पारदर्शिता और सटीकता जरूरी: रवि जैन

जयपुर/दक्षिण भारत । स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने शुक्रवार को यूडी टैक्स संग्रह अभियान की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के संशोधन मौका मुआयना के बाद ही किए जाएं, ताकि आमजन के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके। बैठक में जैन ने नगर निगम स्तर पर एक समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो उन प्रकरणों की सुनवाई करेगी जिनमें कुर्की प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि सुनवाई के बाद संबंधित करदाता को बकाया जमा कराने के लिए दो दिन का समय दिया जाए, ताकि उन्हें उचित अवसर मिल सके। जैन ने अधिकारियों को 31 मार्च तक चल रहे यूडी टैक्स संग्रह अभियान को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को दी जा रही रियायतों की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जयपुर में यूडी टैक्स के रूप में 120.62 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जबकि यूडी टैक्स एवं विज्ञापन कर मिलाकर कुल 144.58 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत देते हुए विशेष छूट दी गई है। इसके तहत वर्ष 2024-2025 तक के नगरीय विकास कर की राशि एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति पर शत-प्रतिशत छूट होगी।

नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय समिट में 'एकलव्य ज्ञान केंद्र' बना आकर्षण का केंद्र

जयपुर। खनन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 23-24 मार्च 2026 को नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन निधि का प्रभावी उपयोग रहा। सम्मेलन में केंद्रीय खनन एवं कोयला मंत्री कृष्णा रेड्डी ने विशेष संबोधन देते हुए डीएमएफ निधि के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। चित्तौड़गढ़ जिले का प्रतिनिधित्व नीति आयोग के एबीएफ राधाकिशन शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अरविंद मूंदड़ा तथा खनि विभाग से विशाल जोशी ने किया। सम्मेलन के दौरान आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में चित्तौड़गढ़ द्वारा लगाए गए स्टॉल में डीएमएफटी के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों को प्रदर्शित किया गया। स्टॉल पर विशेष रूप से एकलव्य ज्ञान केंद्र आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें खनन प्रभावित एवं आकांक्षी क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय मंत्री कृष्णा रेड्डी ने चित्तौड़गढ़ स्टॉल का अवलोकन कर डीएमएफटी के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान एबीएफ राधाकिशन शर्मा ने उन्हें जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों से अवगत कराया। मंत्री ने एकलव्य ज्ञान केंद्र पहल की सराहना करते हुए इसे डीएमएफ निधि के प्रभावी एवं अनुकरणीय उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

आमजन को राहत के साथ टैक्स जमा कराने का अवसर, कुर्की से पहले कमेटी करेगी सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने शुक्रवार को यूडी टैक्स संग्रह अभियान की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के संशोधन मौका मुआयना के बाद ही किए जाएं, ताकि आमजन के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके। बैठक में जैन ने नगर निगम स्तर पर एक समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो उन प्रकरणों की सुनवाई करेगी जिनमें कुर्की प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि सुनवाई के बाद संबंधित करदाता को बकाया जमा कराने के लिए दो दिन का समय दिया जाए, ताकि उन्हें उचित अवसर मिल सके। जैन ने अधिकारियों को 31 मार्च तक चल रहे यूडी टैक्स संग्रह अभियान को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को दी जा रही रियायतों की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि

वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जयपुर में यूडी टैक्स के रूप में 120.62 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जबकि यूडी टैक्स एवं विज्ञापन कर मिलाकर कुल 144.58 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत देते हुए विशेष छूट दी गई है। इसके तहत वर्ष 2024-2025 तक के नगरीय विकास कर की राशि एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति पर शत-प्रतिशत छूट होगी। जिन प्रकरणों में वर्ष 2011-12 से पूर्व का नगरीय विकास कर बकाया है, उन प्रकरणों में एक मुश्त जमा कराने पर उस अवधि के नगरीय विकास कर में शास्ति की छूट के साथ मूल बकाया में भी 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

देश में रेलवे की 1,068 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि देशभर में भारतीय रेल की लगभग 1,068 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण है, जो कुल 4.99 लाख हेक्टेयर भूमि का करीब 0.21 प्रतिशत है।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि रेलवे की कुल भूमि में से लगभग 80 प्रतिशत पटरियों के पास और 5 प्रतिशत उसके आसपास है तथा शेष 15 प्रतिशत भूमि स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों तथा अन्य विकास कार्यों के लिए उपयोग में लाई जाती है। उन्होंने कहा, देश में रेलवे की लगभग 0.21 प्रतिशत भूमि पर अवैध अतिक्रमण है। मंत्री ने इसे गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि समय-समय पर कार्रवाई की जाती रही है, लेकिन हर बार मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाता है, क्योंकि रेलवे की भूमि पर झुग्गियां मुख्य रूप से गरीब लोगों द्वारा बसाई गई हैं। ''जहां संभव होता है, वहां राज्य सरकारों के साथ मिलकर व्यावहारिक समाधान निकाला जाता है।'' उन्होंने बताया कि रेलवे भूमि की सुरक्षा के लिए कई तकनीकी कदम उठाए गए हैं, जिनमें भूमि का पूर्ण डिजिटलीकरण और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को पोर्टल पर उपलब्ध कराना शामिल है। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक भूखंड का उचित मानचित्रण कर उसे इलेक्ट्रॉनिक रूप से सुरक्षित किया गया है और ड्रोन व सैटेलाइट के माध्यम से सर्वेक्षण भी किया गया है। ''इससे नए अतिक्रमण को काफी हद तक रोकने में मदद मिली है।''

एक वयस्क महिला के साथ विवाहित पुरुष का सहजीवन संबंध में रहना अपराध नहीं : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी विवाहित पुरुष का एक वयस्क महिला के साथ उसकी सहमति से सहजीवन (लिव-इन) संबंध में रहना कानून के तहत अपराध नहीं है।

न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने यह टिप्पणी एक मामले में दो याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देते हुए की। अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए कहा, यदि एक विवाहित पुरुष किसी वयस्क महिला के साथ उसकी सहमति से सहजीवन संबंध में रह रहा है, तो यह कोई अपराध नहीं है। नैतिकता और कानून को अलग-अलग रखना होगा। यदि कानून के तहत कोई अपराध नहीं बनता, तो सामाजिक विचार और नैतिकता अदालत का मार्गदर्शन नहीं करेंगे। यह मामला उस समय अदालत के समक्ष आया, जब महिला की मां ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोप लगाया कि उसकी 18 वर्षीय बेटी को उक्त व्यक्ति बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। याचिका के अनुसार हालांकि महिला ने शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि वह वयस्क है और अपनी इच्छा से उक्त व्यक्ति के साथ सहजीवन संबंध में रह रही है।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके परिजन इस संबंध का विरोध कर रहे हैं और उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, जिससे झूठी शान की खातिर की जाने वाली हत्या (ऑनर किलिंग) की आशंका है। उसके अनुसार, इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई आठ अप्रैल को तय की। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

नोएडा हवाई अड्डा वाणिज्य एवं संपर्क को बढ़ावा देगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा देगा तथा दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ कम करेगा।

प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के उद्घाटन से एक दिन पहले कहा कि नोएडा हवाई अड्डा देश की प्रमुख नई परियोजनाओं में से एक है। यात्री सेवाओं के अलावा इसमें एक मजबूत मालवाहक प्रणाली भी होगी जिससे लॉजिस्टिक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी शनिवार को उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में नवनिर्मित नोएडा हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के रूप में परिकल्पित किया गया है।

उन्होंने कहा, '' कल 28 मार्च को उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन होगा। इससे वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर भीड़भाड़ कम करेगा।'' नोएडा हवाई अड्डे को दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) क्षेत्र के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है जो दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूरक होगा। आधिकारिक बयान में कहा गया कि इसका उद्घाटन भारत की वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नोएडा हवाई अड्डा भारत की सबसे बड़ी नई हवाई अड्डा परियोजनाओं में से एक है।

'ईसाई व मुसलमान बनने वाले आदिवासियों का एसटी का दर्जा खत्म किया जाए'

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि ईसाई और इस्लाम धर्म स्वीकार करने वाले आदिवासियों का अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा खत्म किया जाए। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह विषय उठाया और कहा कि यह सुनिश्चित करने के बाद झारखंड में परिसीमन कराया जाए। दुबे ने उच्चतम न्यायालय के एक हालिया आदेश का हवाला भी दिया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा, ''झारखंड में 2001 के बाद भी परिसीमन नहीं हुआ। उसका कारण यह था कि जनसंख्या के असंतुलन के कारण अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति की सीटें कम हो रही थीं। आगे राज्य में जब परिसीमन होगा तो इन वर्गों के लिए आरक्षित सीटें कम हो जाएंगी।''

नगालैंड विधानसभा ने 2026-27 के लिए 22,127 करोड़ रुपए का बजट किया पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड विधानसभा ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का बजट शुक्रवार को पारित कर दिया। इसके तहत राज्य की संचित निधि से 22,127 करोड़ रुपए से अधिक के व्यय को अधिकृत किया गया है। बजट को नगालैंड विनियोग विधेयक, 2026 के माध्यम से मंजूरी दी गई, जिसे मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने पेश किया था। इसके तहत 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए सरकारी व्यय को पूरा करने हेतु 22,127.33 करोड़ रुपए की निकासी को अधिकृत किया गया है। रियो वित्त विभाग भी संभालते हैं।

कुल परिव्यय में से अधिकत हिस्सा करीब 17,972.70 करोड़ रुपए के राजस्व व्यय का है जबकि पूंजीगत व्यय लगभग 4,154.63 करोड़ रुपए है। बजट का महत्वपूर्ण हिस्सा पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभों के लिए आवंटित किया गया है जो अकेले 3,928 करोड़ रुपए है। इसी प्रकार सिविल पुलिस, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और लोक निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी प्रमुख आवंटन किए गए हैं। बजट में सड़कों व पुलों, बिजली, जल आपूर्ति और शहरी विकास जैसे पूंजी-गहन क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय निवेश का संकेत दिया गया है। हालांकि सीमित वित्तीय संसाधनों के कारण इन पर कुछ बाधाएं बनी हुई हैं। सड़क, आवास एवं बिजली जैसे प्रमुख अवसंरचना क्षेत्रों को पर्याप्त आवंटन मिला है लेकिन इनके विस्तार के लिए काफी हद तक केंद्र की सहायता पर निर्भर रहना पड़ेगा। सरकार द्वारा उजागर की गई वित्तीय चुनौतियों, विशेष रूप से वर्तमान वित्त आयोग चक्र के तहत राजस्व घाटा अनुदान की अनुपस्थिति की पृष्ठभूमि में यह बजट पारित हुआ है।

चैत्र नवरात्र की नवमी पर योगी आदित्यनाथ ने किया कन्या पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक (चैत्र) नवरात्र की नवमी पर शुक्रवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में दुर्गा स्वरूपा नौ कन्याओं के चरण पखारे, उनका विधि-विधान से पूजन किया, चुनरी ओढ़ाई, आरती उतारी और श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। उन्होंने दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद भी लिया। परंपरा के तहत मुख्यमंत्री ने बटुक पूजन भी किया।

इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ सहित कई संत और मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कन्या पूजन से पहले प्रातःकालीन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना भी की गई।

आज प्रौद्योगिकी बच्चों को खेल से दूर कर रही : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के अमरपाल मौर्य ने खेलों को बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि आज प्रौद्योगिकी बच्चों को खेल से दूर कर रही है।

शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए मौर्य ने कहा कि बच्चों के विकास के लिए खेल संस्कृति को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में 'खेलो इंडिया', 'फिट इंडिया मूवमेंट' तथा सांसद खेलकूद प्रतियोगिता से लेकर कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं लेकिन बच्चे कमरे में बैठ कर मोबाइल देखना पसंद करते हैं। उन्होंने मांग की ''बच्चों की स्वस्थ मानसिकता के लिए पहली कक्षा से खेल शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, प्रत्येक स्कूल में कम से कम एक पीरियड खेल का हो, शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों की नियुक्त की जाए। प्रारंभिक स्तर से प्रतिभाशाली बच्चों की खोज की जाए और उन्हें आगे के लिए प्रशिक्षित किया जाए।'' मौर्य ने कहा कि पारंपरिक खेलों को इसमें शामिल कर बढ़ावा दिया जाए और बच्चों को डिजिटल माध्यम से दूर करने के लिए जागरुकता फैलाई जाए। उन्होंने कहा कि कई देशों में बच्चों को हर घंटे के बाद पंद्रह मिनट का ब्रेक दिया जाता है और ऐसी व्यवस्था हमारे यहां भी होना चाहिए।

विधानसभा चुनाव के बाद ईंधन के दाम बढ़ा सकती है मोदी सरकार : अभिषेक

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि इस बात की काफी हद तक संभावना है कि 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार रसोई गैस और परिवहन ईंधन की कीमतें बढ़ा सकती है। झारग्राम जिले के बिनपुर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल उम्मीदवार बिरबाहा हंसदा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए बनर्जी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर पश्चिम बंगाल में बढ़ते ईंधन संकट को संभालने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया।

तृणमूल महासचिव बनर्जी ने मोदी और उनके मंत्रियों को चुनौती दी कि वे अपने चुनावी सभाओं में यह वादा करें कि अगले पांच साल तक एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। बनर्जी ने कहा, यकीन मानिए, वे (भाजपा के नेता) ऐसा कोई वादा नहीं करेंगे।

बंगाल में उत्पादित रसोई गैस को देश के अन्य हिस्सों में नहीं भेजा जाना चाहिए : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच एलपीजी की संभावित कमी की आशंकाओं का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में उत्पादित रसोई गैस को देश के अन्य हिस्सों में नहीं भेजा जाना चाहिए।

केंद्र सरकार द्वारा तेल विपणन कंपनियों को वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद करने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपए की कटौती करने के फैसले पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में, बनर्जी ने सवाल उठाया कि क्या इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कोलकाता हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, उन्होंने पहले ईंधन की कीमतें चिंताजनक स्तर तक बढ़ा दीं और अब शुल्क में मामूली कटौती कर रहे हैं। मैं चाहती हूं कि लोगों को इसका लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव ड्यूटी के लिए राज्य में तैनात सरकारी कर्मचारियों और अर्धसैनिक बलों के लिए एलपीजी आवंटन के कारण आम नागरिकों को परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा, पेट्रोल और गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं लेकिन हल्दिया और राज्य के अन्य हिस्सों में उत्पादित रसोई गैस को बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए, खासकर तब जब हमारे राज्य के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और जिलाधिकारी को निर्वाचन आयोग द्वारा हटा दिया गया है।

'रासायनिक उर्वरकों व पानी के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि देश के कई हिस्सों में रासायनिक उर्वरकों और पानी के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है और 'मिलेट्स मिशन' सहित कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से मोटे अनाज (श्रीअन्न), दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चौहान ने कहा, रासायनिक उर्वरकों और पानी के अधिक उपयोग के कारण कई स्थानों पर मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में मोटे अनाज का रकबा और उत्पादन बढ़ा है तथा उम्मीद है कि इसका उत्पादन और खपत आगे और बढ़ेगी। मंत्री ने पंजाब के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, पंजाब को प्रणाम करते हैं, पंजाब के किसानों को प्रणाम करते हैं। प्रदूषण के लिए केवल किसान जिम्मेदार नहीं हैं। पंजाब के किसान फसल अवशेष प्रबंधन भी कर रहे हैं।'' एक लिखित उत्तर में चौहान ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू कर रहा है, जिनमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत मोटे अनाज (श्रीअन्न) की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम 28 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है, जिनमें पंजाब भी शामिल है। वर्ष 2025-26 के लिए पंजाब में मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने हेतु 34.60 लाख रुपए की वार्षिक कार्ययोजना स्वीकृत की गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे हरित क्रांति वाले राज्यों में लागू किया जा रहा है, ताकि धान जैसी अधिक पानी खपत वाली फसलों से हटकर वैकल्पिक फसलोंमोटे अनाज, दलहन, तिलहन आदिकी ओर रुझान बढ़ाया जा सके।

उप्र में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं, पुलिस करे सख्त कार्रवाई: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमजोर तबके पर दबंगई दिखाने वालों को शुक्रवार को चेताया कि राज्य में गुंडागर्दी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पुलिस को ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कमजोर तबके के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने-धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा, ''गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो, तो उसकी जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए।'' महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए और कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले, हर पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाए, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित हो और जमीन कब्जाने वाले भू-माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद मांगने आए लोगों से कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलारते हुए उन्हें चॉकलेट दी और आशीर्वाद भी प्रदान किया।

कोर्ट पर कठिन प्रतिद्वंद्वी थीं मारिन, लेकिन मेरी यात्रा का हिस्सा बन गई : सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने हाल में संन्यास लेने वाली स्पेन की कैरोलिना मारिन के बारे में शुक्रवार को कहा कि वह उन प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों में शामिल थीं जो उनकी यात्रा का हिस्सा बन गईं, भले ही दोनों के बीच हुए मुकाबलों में तीखी नोकझोंक शामिल रही हो।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने कहा कि मारिन अपनी रणनीति और लगातार चिल्लाने से कोर्ट पर चुनौतीपूर्ण हुआ करती थीं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों के बीच सम्मान का रिश्ता था।

बैडमिंटन के इतिहास की महानतम खिलाड़ियों में से एक मारिन ने घुटने की चोट के कारण बृहस्पतिवार को संन्यास की घोषणा कर दी जिससे उनके शानदार करियर का समापन हो गया जिसमें एक ओलंपिक स्वर्ण पदक और तीन विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल हैं। सिंधू ने 'एक्स' पर लिखा, ''कुछ प्रतिद्वंद्वी हमेशा के लिए आपकी यात्रा का हिस्सा बन जाते हैं। कैरोलिना उन्हीं में से एक थीं। '' उन्होंने कहा, ''हम पहली बार मालदीव में एक-दूसरे के खिलाफ खेले थे तब हम 15 या 16 साल के थे। इसके बाद से हमने एक दूसरे के खिलाफ कई मैच खेले हैं। ''

पूर्व विश्व नंबर एक मारिन (32 साल) ने रियो 2016 ओलंपिक के फाइनल में सिंधू को हराया था और फिर 2018 विश्व चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भी उन्हें मात दी थी। सिंधू ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो तुम कोर्ट पर पूरी तरह से चुनौतीपूर्ण थीं। लगातार चिल्लाना, खेल की रफ्तार और छोटी-छोटी योजना, ये किसी को भी परेशान कर सकती थीं। लेकिन तुम्हारा कौशल, खेल की तेजी और जुझारू जज्बा बेजोड़ था। '' उन्होंने कहा, ''लोग बड़े मुकाबले याद रखते हैं। और उस तीसरे सेट में शटल उठाने को लेकर हमारे बीच हुई तीखी नोक-झोंक को भी याद करते हैं। मैं मानती हूं कि उस दिन मैं गुस्से से भरी हुई थी। लेकिन कुछ महीनों बाद हमने मैड्रिड में एक साथ बैठकर कॉफी पी थी। हम बातें कर रही थीं और हंस रही थीं। उस समय हमारे बीच एक दूसरे के लिए केवल सम्मान का भाव था। यही वह कैरोलिना है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। '' उन्होंने लिखा, ''हर मुकाबले, हर सीख और सबसे बढ़कर हमारी दोस्ती के लिए तुम्हारा शुक्रिया। कैरोलिना तुम्हें आगे के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। '' सिंधू ने कहा, ''बैडमिंटन को तुम्हारी कमी खलेगी और मुझे भी। ''

भाजपा सत्ता में लौटी तो असम में बांग्लादेशी 'मियां' समुदाय की कमर तोड़ देगी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाकुआखाना (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि अगर अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में वापस आता है, तो उनकी सरकार राज्य में बांग्लादेशी 'मियां' समुदाय की ''कमर तोड़ देगी।''

उन्होंने कहा कि सरकार एक ''मजबूत असमिया समाज'' के निर्माण के लिए काम करेगी और अवैध प्रवासी मूल निवासियों को चुनौती नहीं दे सकेंगे। लखीमपुर जिले के ढाकुआखाना में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, ''हमने राज्य के मूल निवासियों के लिए बहुत मेहनत की है। जो लोग बांग्लादेश से आकर असम की जमीन और घरों पर अतिक्रमण कर रहे थे, हमने राजनीतिक रूप से उनके हाथ-पैर तोड़ दिए।'' उन्होंने कहा, ''इस बार हम बांग्लादेशी मियाओं की कमर तोड़ देंगे, ताकि वे असमिया लोगों के लिए चुनौती बनने की हिम्मत न कर सकें।'' 'मियां' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्ला भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी मानते हैं।

सुविचार

मित्र वही है जो आपकी गलतियों पर आपको आईना दिखाए और आपकी खूबियों पर आपको दुनिया के सामने गर्व महसूस कराए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रीय चरित्र में शामिल करें ये आदतें

राष्ट्रीय एकता और अनुशासन के सामने बड़े-बड़े संकट मामूली लगते हैं। वहीं, लोगों की हड़बड़ी, अफवाहों पर विश्वास और अनुशासनहीनता के कारण छोटी समस्याएं भी बड़े संकट में बदल सकती हैं। ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल का युद्ध छिड़ने के बाद भारत में कई लोग यही कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर लॉकडाउन की अफवाह फैलाई जा रही है, जिसका केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने खंडन किया है। मंत्री के बयान पर भी इन लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है। वे पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ लगा रहे हैं। यूट्यूब पर ज्यादा व्यूज पाने के लिए कई चैनल ऐसे वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, जिनमें 'लॉकडाउन' शब्द का बार-बार जिक्र किया जा रहा है। एक यूट्यूबर इसे 'तेल अकाल' बता रही हैं। जब लोग दो-चार वीडियो ऐसे देख लेंगे तो उनमें घबराहट फैलना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के सामने भीड़ उमड़ रही है। एकसाथ सैकड़ों-हजारों लोग किसी चीज की मांग करेंगे तो वह तुरंत ही सबको उपलब्ध नहीं हो पाएगी। इससे फिर ऐसे कयासों को बल मिलेगा कि सच में किल्लत हो गई है। कल्पना कीजिए, अगर किसी बैंक शाखा में 100 लोगों को देने के लिए पर्याप्त नकदी है। अचानक सोशल मीडिया पर कोई अफवाह फैले और 800 लोग बैंक शाखा में नकदी लेने आ जाएं तो क्या स्थिति होगी? बैंक कर्मचारी सिर्फ 100 लोगों को नकदी दे पाएंगे। बाकी लोग यह सोचेंगे कि सोशल मीडिया पर जो पढ़ा था, वह बिल्कुल सही था, क्योंकि हमें तो नकदी मिली नहीं! आज कई जगह यही स्थिति है। जब केंद्र सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि देश में लगभग 60 दिनों का तेल भंडार है, एक महीने की एलपीजी आपूर्ति की व्यवस्था कर ली गई है, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है, तो लोगों को थोड़ी शांति रखनी चाहिए।

पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के सामने उमड़ रही भीड़ में ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें सच में ईंधन की सख्त जरूरत है, लेकिन अफवाहों के कारण उनकी बारी नहीं आ रही है। गांवों में जहां रसोईघर के ईंधन के लिए ढेरों विकल्प हैं, वहां लोग सिलेंडर लेने दौड़ रहे हैं! अगर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग एक हफ्ते तक सिलेंडर लेने बिल्कुल न जाएं और ईंधन के अन्य विकल्पों का उपयोग करें तो सबको बहुत सुविधा होगी। लंबी-लंबी कतारें नहीं लगेंगी, अव्यवस्था नहीं फैलेगी। हमें अपने राष्ट्रीय चरित्र में कुछ आदतों को शामिल करने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली अफवाहों से सावधान रहें। विश्वसनीय स्रोतों से समाचार पढ़ें। अगर बाजार में कोई चीज सुलभ नहीं है और उसका उपयोग जरूरी है तो उसके विकल्पों पर विचार करें। ऐसा कई बार हुआ है, जब किसी चीज के भाव बढ़े तो लोग हड़बड़ी में उसी की खरीदारी करने लगे। कभी टमाटर के भाव बढ़ जाते हैं तो सोशल मीडिया पर खुराफाती तत्त्व सक्रिय हो जाते हैं। वे ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करते हैं कि अब दुनिया में कभी टमाटर खाने को नहीं मिलेगा। ऐसी पोस्ट पढ़कर लोग ज्यादा से ज्यादा टमाटर खरीदने की कोशिश करते हैं। इससे जमाखोर फायदा उठाते हैं। जब कभी प्याज के भाव बढ़ते हैं तो यही देखने को मिलता है। कई लोग अपनी जरूरत से पांच-छह गुना ज्यादा प्याज खरीद लेते हैं। ऐसे समय में अफवाहों पर विश्वास करने के बजाय जनता को एकजुट होकर दूसरा रास्ता अपनाना चाहिए। एक-डेढ़ हफ्ते तक वह चीज ही न खरीदें। उसके विकल्प ढूंढ़ें। जरूरत पड़े तो एआई की मदद लें। इससे जमाखोरों के हौसले पस्त होंगे। वे सारा माल कब तक दबाकर बैठे रहेंगे? जब लागत बढ़ेगी तो सामान्य कीमत पर बेचने को मजबूर होंगे। बाजार मांग और पूर्ति के आधार पर चलता है। जनता सूझबूझ से काम ले तो जमाखोरों की हर चाल नाकाम कर सकती है।

ट्वीटर टॉक

चैत्र नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर आज सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस शुभ अवसर पर लाड़ली बेटियों का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

-दिया कुमारी

देश की रफ्तार, विकास के साथ! रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार सुधार के साथ सफर हो रहा है और बेहतर, तेज और सुविधाजनक। नई पहल और बढ़ती कनेक्टिविटी से आम लोगों को मिल रही है ज्यादा सुविधा

-अर्जुनराम मेघवाल

'अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला के मस्तक पर 'सूर्य तिलक' का यह अलौकिक दृश्य आनंदित करने वाला है। विज्ञान और अध्यात्म के इस अद्भुत संगम ने आज त्रेतायुग की भव्यता को पुनः जीवंत कर दिया है। सूर्य देव की रश्मियां साक्षात प्रभु का अभिषेक कर रही हैं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

मौन में सफलता

एक बार वृंदावन में संत प्रद्युम्न जी के पास एक युवक आया। चरण स्पर्श कर बोला, 'आप कोई ताबीज या मंत्र दीजिए। मुझे जीवन को सफल होते हुए देखना है।' संत ने ताबीज देते हुए उसे आशीर्वाद दिया और कहा, 'वत्स! एक बात याद रखना कि तुमको अपने जीवन में सफल बनना है तो भले ही पैर फिसल जाए मगर जुबान कभी नहीं फिसलने देना। इसके लिए खामोश रहना सीखो। मौन क्रोध की सर्वोत्तम चिकित्सा हैं। अपने खिलाफ की जाने वाली बातों को खामोशी से सुन ले। यक़ीन माने वक्त बेहतरीन जवाब देगा। और फिर इस तरह से जो व्यक्ति अच्छी आदतों का आदी हो जाता है उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है।'

सामयिक

युद्ध के चलते आम आदमी का जीवन प्रभावित

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

पश्चिम एशिया में लगातार जंग जारी है। ईरान और इजरायल एक-दूसरे पर मिसाइलों से हमले कर रहे हैं। उधर ट्रंप कभी जंग का समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं, तो कभी ईरान को धमकी देते नजर आ रहे हैं। अब ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने वॉशिंगटन की हालिया राजनयिक पहलों को दिखावा बताकर उन्हें खारिज कर दिया है। तेहरान ने कहा कि अमेरिका के वैश्विक प्रभाव का एक समय पर दबदबा था, जो अब खत्म हो चुका है। पहले कुछ दिनों में ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। अब ईरान वर्तमान में कुछ देशों के जहाजों और तेल टैंकरों को 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 18 करोड़ रुपये में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे रहा है। टैंकर फंस गए हैं। आज तक, ईरानी सेना ने ईरानी सेना के बावजूद रास्ते से हटने की कोशिश कर रहे 20 जहाजों पर मिसाइल या ड्रोन दागे हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान से केवल पेट्रोल और डीजल की कमी होगी। लेकिन आधुनिक दुनिया में कच्चे तेल से उत्पादित उत्पादों और वस्तुओं ने इतनी घुसपैठ की है कि कच्चे तेल की आपूर्ति का मतलब है कि आम आदमी का जीवन ठप हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कल भारतीय संसद में लॉकडाउन के साथ इसकी तुलना इस अत्यधिक कच्ची निर्भरता के कारण की है। अगर हम इसके दूरगामी प्रभावों को ध्यान में रखें और देखें कि हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, तो हम आने वाले महीनों के लिए सावधान रह सकते हैं।

कतर में रास लाफान गैस टर्मिनल पर ईरानी हमले ने भारत की 47 प्रतिशत गैस आपूर्ति को सीधे प्रभावित किया है, जिसने सभी गैस-आधारित उद्योगों को प्रभावित किया है। एलपीजी गैस का उपयोग कोयले के विकल्प के रूप में कई उद्योगों में एकमात्र ईंधन स्रोत के रूप में किया जाता है, जो गैर-प्रदूषणकारी और उपयोग में आसान है। रेस्टोरेंट और रेडी-टू-ईट इंडस्ट्री सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। इसका आने वाले वर्षों में फूड होम डिलीवरी इंडस्ट्री पर सीधा असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोग डिलीवरी चेन में कार्यरत रहते हैं और बेरोजगार हो जाते हैं। मोरबी, दुनिया का नंबर 2 सिरेमिक विनिर्माण केंद्र, मोरबी, गुजरात में विकसित हुआ है। यह देश की 90 प्रतिशत टाइलों का उत्पादन करता है और लगभग 9 लाख लोगों को रोजगार देता है। इसका वार्षिक कारोबार 50,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 18,000 करोड़ रुपये का निर्यात किया जाता है। यहां तक कि अगर फ्लैट बनाया गया है, तो टाइल्स की कमी के कारण आंतरिक कार्य में देरी होगी।कांच की बोतल और घरेलू उपकरणों की भट्टियां बड़ी मात्रा में गैस की खपत करती हैं। उन्हें बंद करने में लंबा समय लगता है और पुनरारंभ करते समय नुकसान हो सकता है। यदि बोतलों की आपूर्ति बाधित या बाधित होती है, तो शराब और दवाओं की पैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली बोतलें महंगी हो जाएंगी या अपर्याप्त आपूर्ति के कारण समस्याग्रस्त हो जाएंगी। कई आधुनिक दवाएं पेट्रोकेमिकल्स से बनाई जाती हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि अपर्याप्त आपूर्ति दवाओं के उत्पादन को प्रभावित करती है।हमारे दैनिक जीवन में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली दवा फिनोल से बना पेरासिटामोल है, इबुप्रोफेन दर्द निवारक आइसोब्यूटाइलबेंजीन और प्रोपियोनिक एसिड से बनाया जाता है, मेटफॉर्मिन 80 से 90 प्रतिशत पेट्रोकेमिकल-आधारित होता है, और अन्य दवाओं के लिए 99 प्रतिशत कच्चा माल पेट्रोकेमिकल्स से आता है।

नेफ्था, जिसका उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य में फार्मास्यूटिकल्स के लिए किया जाता है, वर्तमान में बंद है। नेफ्था का उपयोग फार्मास्युटिकल उद्योग में विलायक के रूप में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय अवयवों को अलग करने के लिए किया जाता है। भारत जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। यह दुनिया की 20 प्रतिशत जरूरतों और संयुक्त राज्य अमेरिका की 40 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करता है।

नेफ्था, जिसका उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य में फार्मास्यूटिकल्स के लिए किया जाता है, वर्तमान में बंद है। नेफ्था का उपयोग फार्मास्युटिकल उद्योग में विलायक के रूप में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय अवयवों को अलग करने के लिए किया जाता है। भारत जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। यह दुनिया की 20 प्रतिशत जरूरतों और संयुक्त राज्य अमेरिका की 40 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करता है। लेकिन आपूर्ति में व्यवधान के कारण उद्योग वर्तमान में संकट में है। प्राथमिकता के कारण, उद्योग के लिए उपलब्ध पेट्रोकेमिकल उत्पादों की कमी है।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे संस्थान, जो दुनिया के 40-50% टीकों की आपूर्ति करते हैं, पेट्रोकेमिकल्स पर भी निर्भर हैं, जो वैक्सीन की बोतलों, सीरिंज, पैकेजिंग और यहां तक कि वैक्सीन के घटकों में बहुत उच्च श्रेणी के प्लास्टिक हैं, जो पेट्रोकेमिकल्स पर आधारित हैं, जो उत्पादन की लागत बढ़ा रहे हैं और उपलब्धता को कम कर रहे हैं। अरब देशों और ईरान रासायनिक उर्वरकों के विश्व उत्पादन का 20 प्रतिशत हिस्सा हैं, लेकिन यूरिया के उत्पादन का 46 प्रतिशत हिस्सा है। भारत, ब्राजील और चीन अरब देशों के प्रमुख उपभोक्ता हैं। भारत अरब देशों से अमोनियम नाइट्रेट जैसे अन्य उर्वरकों के अलावा अरब देशों से यूरिया की अपनी वार्षिक आवश्यकता का 50% आयात करता है। देश में खाद्य उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उर्वरक की बढ़ती कीमतों और अपर्याप्त आपूर्ति के कारण दुनिया भर में भोजन की कमी की संभावना के बारे में पहले से ही बात की जा रही है। भोजन की कमी और राजनीतिक स्थिरता का गहरा संबंध है। जिन देशों में भोजन की कमी और मुद्रास्फीति बढ़ती है, वहां सत्तारूढ़ दलों का विरोध और हिंसा का सामना करने का इतिहास रहा है, जिसके कारण एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में कई राजनीतिक तूफान आए हैं।

अरब देशों में वैश्विक सल्फर उत्पादन का 50 प्रतिशत हिस्सा है, जिनमें से लगभग सभी ईरानी हमलों से प्रभावित हुए हैं, या क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है, तैयार उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में जाने का कोई रास्ता नहीं है। इससे सल्फर आधारित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईवी बैटरी उद्योग में तांबा, निकल, कोबाल्ट के उत्पादन में सल्फ्यूरिक एसिड आवश्यक है, जो पूरे बैटरी उद्योग को प्रभावित करेगा।

बहरीन एल्युमीनियम कंपनी अल्बा दुनिया की अग्रणी एल्युमीनियम कंपनियों में से एक है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट स्मेल्टिंग फैसिलिटी के रूप में जाना जाता है। ईरानी हमले के कारण इसकी तीन इकाइयां बंद होने के कारण वैश्विक आपूर्ति बाधित होने के कारण बीयर और शीतल पेय के डिब्बे की कीमतें बढ़ रही हैं। इन पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल होने वाली कांच की बोतलें भी गैस की कमी के कारण महंगी हो गई हैं। ईंधन की कीमतों का खाद्यान्न, सब्जी, दूध, शिक्षा, रोजगार पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। रेडी-टू-ईट फूड की होम डिलीवरी पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, होम इंडस्ट्री और लघु उद्योगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, भारत के कोने-कोने में फल-फूल रही घरेलू टूरिज्म और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री भी बड़ी मुसीबत में फंस जाएगी, इसके लिए सामूहिक ज्ञान और सावधानी की आवश्यकता है। यही एक बड़ा कारण है कि सरकार हमें कोरोना की समस्या की याद दिला रही है क्योंकि लंबे समय तक चलने वाली लड़ाई हमारे लिए इतना समय और बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकती है कि शायद हम भूल जाएंगे।

नजरिया

मिशन एलपीजी : होर्मुज संकट में भारत का 'प्लान बी'

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

दुनिया के एक छोर पर जब बारूद की गंध फैलती है, तो उसकी तपिश हज़ारों किलोमीटर दूर भारतीय रसोई तक पहुँचने में देर नहीं लगती। वर्तमान में इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच गहराता युद्ध केवल नक्शों पर खिंची लकीरों या मिसाइलों के विनिमय तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसने वैश्विक ऊर्जा राजनीति के उस ताने-बाने को झकझोर दिया है जिस पर भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था टिकी है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच भारत सरकार ने एक ऐसा साहसिक और रणनीतिक फैसला लिया है जिसने अंतरराष्ट्रीय गलियारों में हलचल मचा दी है। करीब आठ साल के लंबे अंतराल के बाद, भारत ने एक बार फिर ईरान से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस यानी एलपीजी की खरीदारी शुरू कर दी है। यह फैसला महज एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' और अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर दिखाई गई दृढ़ता का प्रतीक है। जून 2018 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय तेल कंपनियों ने ईरानी बंदरगाहों की ओर रुख किया है। याद रहे कि यह वही दौर था जब अमेरिका के कड़े प्रतिबंधों के चलते भारत ने ईरान से तेल और गैस लेना लगभग बंद कर दिया था, लेकिन आज जब पश्चिम एशिया की आग होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुँचने वाली है, तो भारत ने अपनी जरूरतों को सर्वोपरि रखते हुए कूटनीति की बिसात पर नई चाल चली है।

इस बड़े सौदे की अगुवाई देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन कर रही है, जिसमें भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम भी साझीदार हैं। जिस समय देश के कुछ हिस्सों से रसोई गैस और ईंधन के लिए लंबी कतारों की खबरें आ रही थीं, उसी समय 'सी बर्ड' नाम के एक विशाल मालवाहक जहाज का भारत की ओर मुड़ना किसी फ़िल्मी पटकथा से कम नहीं लगता। बताया जाता है कि यह जहाज शुरुआत में चीन की ओर जा रहा था, लेकिन ऐन वक्त पर रणनीतिक वार्ताओं और जरूरतों के चलते इसने अपनी दिशा बदली और भारत के मैंगलोर पोर्ट की ओर रुख किया। इसमें मौजूद 43 हजार टन ब्यूटेन और प्रोपेन भले ही भारत की दैनिक खपत का एक छोटा सा हिस्सा हों, लेकिन संकट के इस दौर में यह खेप एक मनोवैज्ञानिक जीत और भविष्य के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है। होर्मुज स्ट्रेट, जो ओमान और ईरान के बीच स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है, भारत के लिए किसी जीवन रेखा से कम नहीं है। भारत अपनी जरूरत की दो-तिहाई एलपीजी आयात करता है और उस आयात का 90 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। अगर युद्ध की आग इस रास्ते को बंद कर देती है, तो भारत की ऊर्जा व्यवस्था चरमरा सकती है। ऐसे में ईरान से सीधे गैस की खरीद करना उस जोखिम को

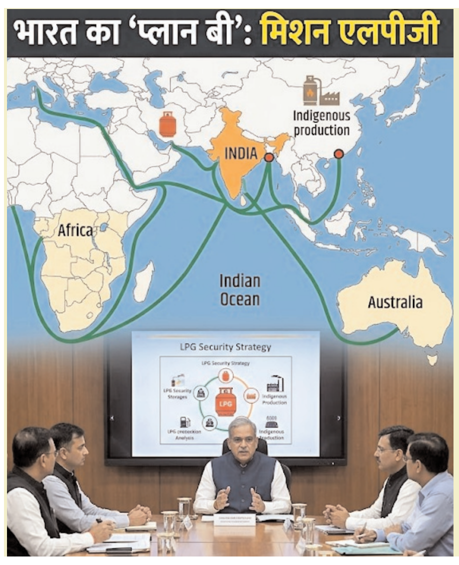

रिफाइनरियों का 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चलना और वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करना इसी दूरदर्शिता का हिस्सा है। भारत की यह रणनीति आने वाले समय में अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक मिसाल बन सकती है कि कैसे युद्ध और प्रतिबंधों के बीच भी अपनी अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जरूरतों को सुरक्षित रखा जाता है। यह संकट भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन भारत ने दिखा दिया है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए किसी भी 'सी बर्ड' को अपनी ओर मोड़ने की कुव्वत रखता है।

कम करने की एक सोची-समझी कोशिश है। हालाँकि, एक तरफ जहाँ आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका ने आम आदमी को सशंकित कर दिया है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बहुत ही स्पष्ट और आश्वस्त करने वाला दावा पेश किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का वास्तविक ईंधन भंडार मौजूद है। इसमें कच्चा तेल, रिफाइंड उत्पाद और वह रणनीतिक भंडारण शामिल है जिसे भारत ने भूमिगत गुफाओं में आपात स्थिति के लिए बचाकर रखा है। सरकार का यह भी कहना है कि यदि हम अपनी कुल भंडारण क्षमता को देखें, तो भारत के पास 74 दिनों तक की जरूरतों को पूरा करने का सामर्थ्य है। यह डेटा उन लोगों के लिए एक बड़ी राहत है जो गैस की कमी की अफवाहों के चलते डरे हुए हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि अगर सरकार के पास इतना भंडार है, तो सड़कों पर लंबी लाइनें क्यों दिख रही हैं? यहाँ मनोविज्ञान और तर्क के बीच का द्वंद्व सामने आता है। जब भी युद्ध जैसी स्थिति बनती है, तो 'पैनिक बाइंग' यानी घबराहट में की जाने वाली खरीदारी बढ़ जाती है। लोग भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए अतिरिक्त सिलेंडर जमा करने की कोशिश करते हैं, जिससे वितरण प्रणाली पर अचानक बोझ बढ़ जाता है। इसके अलावा, होर्मुज क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण कई बार जहाजों के बीमा प्रीमियम और उनके रूट में बदलाव करना पड़ता है, जिससे लॉजिस्टिक्स में मामूली देरी होती है। भारत ने इस चुनौती से निपटने के लिए अब वैकल्पिक स्रोतों की ओर हाथ बढ़ाना शुरू कर दिया है।

ईरान से एलपीजी की यह खरीद केवल आर्थिक बचत का मामला नहीं है। ईरानी गैस भारत को सस्ती भी पड़ती है और परिवहन की दृष्टि से भी यहाँ से माल लाना आसान है। लेकिन इसके पीछे जो सबसे बड़ी बाधा थी, वह थी अमेरिकी प्रतिबंध। अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था को अलग-थलग करने के लिए दुनिया भर के देशों पर दबाव बनाया था कि वे वहां से ऊर्जा खरीद बंद कर दें। भारत ने लंबे समय तक इस दबाव का सम्मान किया, लेकिन जब बात देश की जनता की रसोई और बढ़ती महंगाई की आई, तो राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो गए। भारत ने यह संकेत दे दिया है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। यह फैसला उस समय आया है जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को छूने की कोशिश कर रही हैं। यदि भारत वैकल्पिक स्रोतों और ईरान जैसे देशों से सीधे सौदे नहीं करता, तो घरेलू बाजार में महंगाई का एक बड़ा विस्फोट हो सकता था। मंत्रालय के दावों के बीच यह भी गौर करने वाली बात है कि भारत अपनी रिफाइनिंग क्षमता को लेकर दुनिया में एक विशेष स्थान रखता है। हमारी रिफाइनरियां न केवल घरेलू मांग पूरी कर रही हैं, बल्कि वे निर्यात के लिए भी तैयार हैं। लेकिन जब बात एलपीजी की आती है, तो स्थिति कच्चा तेल से थोड़ी भिन्न होती है क्योंकि एलपीजी का सीधा संबंध आम नागरिक के जीवन स्तर से है। आज भी भारत के कई ग्रामीण क्षेत्रों में लोग लकड़ी जलाकर खाना बनाने को मजबूर हो रहे हैं, जिसका एक कारण वितरण में आ रही अस्थाई बाधाएं हैं। सरकार का यह कहना कि आपूर्ति में कोई कमी नहीं है, तभी सार्थक होगा जब यह आपूर्ति अंतिम उपभोक्ता तक बिना किसी देरी के पहुँचे। इसके लिए सरकार कई देशों से अतिरिक्त कार्गो सुरक्षित कर रही है। बातचीत अब केवल ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत दो और बड़ी एलपीजी खेप लाने की तैयारी में है, जिनके सौदे अंतिम चरण में हैं। यह सक्रियता दर्शाती है कि पर्दे के पीछे भारतीय कूटनीतिज्ञ और तेल अधिकारी कितनी मशक्कत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू है 'होर्मुज स्ट्रेट' का विकल्प तलाशना। हालांकि इस रास्ते का कोई पूर्ण विकल्प फिलहाल मौजूद नहीं है, लेकिन भारत अब ओमान और अन्य खाड़ी देशों के साथ मिलकर ऐसे रास्तों पर विचार कर रहा है जो सीधे अरब सागर से जुड़ते हों। 'सी बर्ड' जहाज का चीन के बजाय भारत की ओर मुड़ना इस बात का भी प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत एक 'बैलेंसिंग पावर' के रूप में उभरा है। एक तरफ हम ग्रीन एनर्जी और सौर ऊर्जा की बात कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि अभी भी हमारा बड़ा हिस्सा एलपीजी और हाइड्रोकार्बन पर निर्भर है। इसलिए, जब तक भारत पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर शिफ्ट नहीं हो जाता, तब तक हमें पश्चिम एशिया की इन भू-राजनीतिक लहरों के साथ सावधानी से तैरना होगा। अंततः, ईरान से 8 साल बाद गैस की खरीद और देश में 60 दिनों के सुरक्षित भंडार का होना एक संतुलित तस्वीर पेश करता है। यह तस्वीर एक ऐसे भारत की है जो न तो किसी वैश्विक दबाव के आगे झुक रहा है और न ही अपने नागरिकों को किसी संकट में अकेला छोड़ने वाला है। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच की यह जंग भले ही कितनी भी लंबी क्यों न खिंचे, भारत ने अपनी ऊर्जा की बिसात पर मोहरे कुछ इस तरह सजा दिए हैं कि कम से कम अगले दो महीनों तक देश की रसोई में आंच मद्धम नहीं पड़ेगी। यह संघर्ष हमें यह भी सिखाता है कि आत्मनिर्भरता केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह समय रहते लिए गए कड़े और दूरदर्शी फैसलों का परिणाम है। रिफाइनरियों का 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चलना और वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करना इसी दूरदर्शिता का हिस्सा है। भारत की यह रणनीति आने वाले समय में अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक मिसाल बन सकती है कि कैसे युद्ध और प्रतिबंधों के बीच भी अपनी अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जरूरतों को सुरक्षित रखा जाता है। यह संकट भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन भारत ने दिखा दिया है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए किसी भी 'सी बर्ड' को अपनी ओर मोड़ने की कुव्वत रखता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आईफोन उपयोगकर्ता भी अब एक ही फोन पर चला पाएंगे व्हाट्सऐप के दो खाते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सऐप ने कई नई सेवाएं शुक्रवार को पेश कीं। इनके तहत एप्पल आईफोन उपयोगकर्ता अब एक ही फोन पर दो खाते एक साथ चला सकेंगे। इसके अलावा तस्वीर संपादन और संदेश लिखने के लिए नए कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण भी जोड़े गए हैं। कंपनी ने कहा कि 'टू अकाउंट्स, वन फोन' सेवा जो पहले केवल एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध थी अब आईओएस पर भी शुरू की जा रही है। व्हाट्सऐप ने अपने 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा कि इस 'अपडेट' के बाद उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत एवं कामकाजी बातचीत के लिए दो अलग-अलग फोन रखने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। ऐप के नीचे वाले 'टैब' में दिखाई देने वाली 'प्रोफाइल' तस्वीर के जरिये उपयोगकर्ता सक्रिय खाते की पहचान कर सकेंगे।

जनरेटिव यानी सृजन से जुड़े एआई के बढ़ते उपयोग के बीच व्हाट्सऐप ने मेटा एआई को सीधे 'चैट' में एकीकृत किया है। उपयोगकर्ता अब किसी तस्वीर को भेजने से पहले तस्वीर में सुधार कर सकते हैं, अनचाहे तत्व हटा सकते हैं, पृष्ठभूमि बदल सकते हैं या अलग-अलग शैली लागू कर सकते हैं। एआई उपकरण से जुड़ी संभावित सुरक्षा चिंताओं पर कंपनी ने जोर देते हुए कहा कि उपयोगकर्ताओं की चैट पूरी तरह निजी रहेंगी। कंपनी ने यह भी कहा कि मेटा एआई सेवाएं सभी उपयोगकर्ताओं को तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाएंगी। इसके साथ 'क्रॉस-प्लेटफॉर्म चैट ट्रांसफर' भी आसान बना दिया गया है। अब मंच आधिकारिक तौर पर आईओएस से एंड्रॉयड डिवाइस पर चैट हिस्ट्री (तस्वीर व वीडियो सहित) स्थानांतरित करने का समर्थन करता है। नई सेवाओं में 'प्रेडिक्टिव स्टिकर' के सुझाव भी शामिल हैं, जिसके तहत टाइप करते समय किसी इमोजी के स्थान पर सुझाया गया स्टिकर इस्तेमाल किया जा सकेगा। व्हाट्सऐप ने कहा कि ये नई सेवाएं चरणबद्ध तरीके से जारी किए जा रहे हैं और जल्द ही सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होंगे।

वैश्विक शांति के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष समाप्त हो: फारूक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त किया जाना चाहिए ताकि लोग शांति के माहौल में रह सकें।

अब्दुल्ला ने यहां हजरतबल दरगाह में जुमे की नमाज अदा करने के बाद पत्रकारों से कहा, हम युद्ध जैसी स्थिति में हैं। हम सभी प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर इस युद्ध को समाप्त करे और शांति कायम हो ताकि हम सभी शांति से रह सकें। उन्होंने कहा कि युद्ध को रोकना बड़ी शक्तियों का सवाल है और जनता केवल यही प्रार्थना कर सकती है कि ईश्वर किसी तरह इस संघर्ष को समाप्त कर दे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा विधानसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मानवता के हित में युद्ध समाप्त करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने की अपील किए जाने के बारे में पूछे जाने पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने सही बात कही है।

राहुल जगह-जगह जाकर देश की अर्थव्यवस्था के बारे में गलत बोलते हैं, उन्हें ट्यूशन दिया जाए: कंगना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

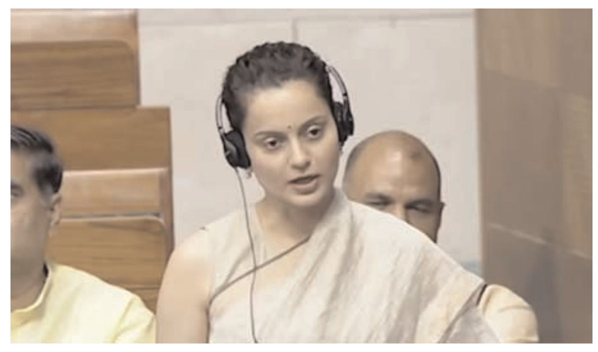

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देश की अर्थव्यवस्था के बारे में गलत दावे करने का आरोप लगाया और तंज कसते हुए कहा कि उन्हें ट्यूशन दिया जाना चाहिए। रनौत ने दिवाला और शोधन अक्षमता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि कांग्रेस के शासन काल में उद्योगपतियों को ऋण देने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री बैंकों को फोन किया करते थे। उन्होंने कहा, एक वक्त था जब कांग्रेस के प्रधानमंत्री बड़े-बड़े उद्योगपतियों को ऋण फोन पर दिलाया करते थे...बैंक इतने खस्तहाल हो गए थे कि उनकी रिकवरी दर पांच प्रतिशत से लेकर मात्र 20 प्रतिशत तक थी। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस के समय वित्त मंत्री कहते थे कि यह अनपढ़, गंवार लोगों का देश है। ये क्या डिजिटल भुगतान करेंगे? कांग्रेस के लोगों ने भारतीयों का आत्मविश्वास तार-तार कर दिया था, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने उसे जगाने का काम किया...प्रधानमंत्री मोदी ने बैंकों का सशक्तीकरण किया है। रनौत ने कहा कांग्रेस के शासन काल के दौरान बैंकों की गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 11.5 प्रतिशत थीं, जो मार्च 2025 में घटकर 2.25 प्रतिशत रह गईं। उन्होंने सदन में नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, लेकिन राहुल जी कहते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था तो डूब रही है। कहीं-कहीं जाकर वह देश के बारे में इतना गंदा बोलते हैं कि उन्हें एक ट्यूशन दिया जाना चाहिए।

उन्हें शर्म आनी चाहिए कि हर जगह जाकर भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में इतना गलत बोलते रहते हैं। भाजपा के जगदंबिका पाल ने भी रनौत की बातों का समर्थन करते हुए कहा, जैसा कि कंगना ने कहा कि एक फोन बैंकिंग चल रहा था। फोन किया जाता था और उसी पर लोन मिल जाता था।

शोभायात्रा

रामनवमी के पावन अवसर पर श्री दुर्गियाना मंदिर में भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरुप में सजे श्रद्धालुओं ने धार्मिक शोभायात्रा निकाली।

'दंगल' और 'बाहुबली-2' का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार 'धुरंधर-2', एक हफ्ते में पार किया 1000 करोड़ का आंकड़ा

मुंबई/एजेन्सी

रणवीर सिंह की 'धुरंधर-2' ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया है क्योंकि हर बढ़ते दिन के साथ फिल्म की कमाई का स्तर बढ़ रहा है। आज फिल्म को रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो चुका है और फिल्म 1000 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है और एक हफ्ते में ही 'पठान' और 'कल्कि 2898 एडी' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अगर फिल्म इसी रफ्तार से आगे बढ़ती रही तो फिल्म जल्द ही 'दंगल', 'बाहुबली-2', और 'पुष्पा' का भी रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी। आदित्य धर के बी62 स्टूडियो ने फिल्म के आधिकारिक आंकड़े जारी किए हैं। बी62 स्टूडियो के मुताबिक, फिल्म ने विश्व भर में कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1088 करोड़ रुपये का कर लिया है। फिल्म ने भारत में सभी भाषाओं में ग्रॉस कलेक्शन 814 करोड़ रुपये का किया है, जबकि ओवरसीज आंकड़े 274 करोड़ रुपये हैं। इंडिया के कुल नेट कलेक्शन की बात करें तो फिल्म एक हफ्ते में 690 करोड़ कमा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बजट 250-300 करोड़ रुपये है। फिल्म ने एक हफ्ते में ही अपने बजट से दोगुनी कमाई कर ली है। धुरंधर-2 अभी 'दंगल' और 'बाहुबली-2' का आंकड़ा छूने में काफी पीछे है। 'दंगल' ने 2070 करोड़ रुपये का वर्ल्ड वाइल्ड कलेक्शन किया था, जबकि भारत में कुल नेट कलेक्शन 388 करोड़ रहा। 'धुरंधर-2' कुल नेट कलेक्शन के मामले में फिल्म को पछाड़ चुकी है, लेकिन ग्लोबल स्तर पर टक्कर देने के लिए फिल्म को और मेहनत करनी पड़ेगी। वहीं 'बाहुबली-2' ने वर्ल्ड वाइल्ड कलेक्शन 1788 करोड़ का किया और भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 1030 करोड़ रहा।

आरती

रामनवमी के उपलक्ष्य में इंदौर के श्री राम मंदिर में आयोजित भव्य आरती के दौरान दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़।

वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

सिर्फ विलेन बनकर नहीं, गंभीर और भावात्मक किरदार निभाकर प्रकाश राज को मिली पहचान

मुंबई/एजेन्सी

'आली रे आली, आता तुमची बारी आली' यह डॉयलाग सुनते ही जयकांत शिखरे का खूंखार चेहरा सामने आता है, जिसका किरदार प्रकाश राज ने सिंघम में निभाया था। इस फिल्म में अपने किरदार को इम्प्रोवाइज करने के लिए अभिनेता ने हाथ हिलाकर अपने गुस्से को जाहिर कर बॉडी लैंग्वेज को बदल लिया था, जबकि वो सीन का हिस्सा भी नहीं था। उनकी इसी लगन की वजह से प्रकाश राज को न सिर्फ हिंदी, बल्कि दक्षिण सिनेमा का बड़ा विलेन कहा जाता है। 26 मार्च को जन्मे प्रकाश राज का असली नाम प्रकाश राय है। हालांकि, फिल्मों में आने के बाद डायरेक्टर की सलाह के बाद उन्होंने राय को राज कर लिया था, और यही नाम उनकी असली पहचान बन गया। अभिनेता के लिए करियर की शुरुआत करना भी आसान नहीं था। प्रकाश फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, यही कारण रहा है कि पहले काम की तलाश में वे पैदल एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो चक्कर लगाते थे। फिल्मों और सीरियल में आने से पहले प्रकाश थिएटर कलाकार थे। थिएटर में काम करके वह प्रति माह 300 रुपए कमाते थे। हालांकि, थिएटर के बाद अभिनेता को धीरे-धीरे दक्षिण भारतीय भाषाओं में सीरियल मिलने लगे।

कन्नड़ भाषी होने के बाद भी अभिनेता ने मलयामल, तेलुगू और तमिल भाषाओं में काम किया। भले ही शुरुआती दिनों में उन्हें भाषाओं को लेकर कठिनाई झेलनी पड़ी, लेकिन उन्होंने सभी भाषाओं को बारीकी से सीखा और आज खुद सभी भाषाओं की डबिंग करते हैं। प्रकाश राज को तमिल सिनेमा में ब्रेक 'ड्युएट' से मिला। इस फिल्म में पहले से ही बड़े चेहरे मौजूद थे, लेकिन अभिनेता ने सभी के बीच अपनी अलग पहचान बनाई और अपने अभिनय से फैंस का दिल जीता, जिसके बाद वह विलेन के तौर पर उभरे। उन्होंने 'घिल्ली', 'पोकिरी', और 'ओक्काडु' में अपने अभिनय से सबको डरा दिया। हिंदी सिनेमा में भी उनकी छवि खूंखार विलेन की रही। उन्हें जितनी भी फिल्में ऑफर हुईं, उसमें उनका किरदार निगेटिव था। साल 2009 में पहली बार उन्हें 'वॉन्टेड' से बॉलीवुड में विलेन के तौर पर एंट्री मिली और फिर 'सिंघम', 'सिंघम रिर्टन', 'बुढ्डा होगा तेरा बाप', 'दबंग-2', और 'हीरोपंति' जैसी फिल्मों से विलेन की छवि को और मजबूत किया। अभिनेता ने टाइपकास्ट न होते हुए सिनेमा में गंभीर और भावुक किरदार भी किए और लोगों ने उन किरदारों को भी बहुत प्यार दिया। तमिल फिल्म 'अभियुम नानुम' और तेलेगु फिल्म 'आकाशमन्ता' में उन्होंने पिता का किरदार निभाया था, जो अपनी बेटी के लिए जीता है।

धनुष और कृति सेनन का जादू अब छोटे पर्दे पर

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता धनुष और कृति सेनन की जोड़ी ने रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तेरे इश्क में' शानदार अदाकारी से पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। दोनों के बीच केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब इस फिल्म को पहली बार टीवी पर दिखाया जाएगा। अभिनेत्री कृति सेनन ने इंस्टाग्राम के जरिए फिल्म को टीवी पर प्रसारित होने की जानकारी दी। कृति ने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का खास पोस्ट शेयर किया। इसमें फिल्म की खास झलक देखने को मिलती है। कृति ने लिखा, फिल्म 'तेरे इश्क में' 27 मार्च को शाम 8 बजे टीवी पर पहली बार दस्तक देगी। आनंद एल. राय द्वारा निर्देशित फिल्म में धनुष और कृति के बीच इंटेंस लव स्टोरी दिखाई गई। कहानी एक गहरे और तीव्र प्रेम पर आधारित है, जिसमें भावनाओं का खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलता है। फिल्म नवंबर 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और उसने दर्शकों का दिल जीता था।

इसमें कृति ने मुक्ति नाम की लड़की का रोल प्ले किया, जिसकी यात्रा फिल्म में हर मोड़ पर बदलती है और किरदार भावनात्मक तरीके से और ज्यादा मजबूत होता है। एक्ट्रेस ने भी अपने किरदार को जीवांत करने के लिए पूरी मेहनत की थी, जो हमें स्क्रीन पर देखने को मिली थी।

रोमांटिक ड्रामा फिल्म की कहानी उत्तर भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें प्यार, जुनून और त्याग की भावना दिखाई गई है। धनुष गुस्सैल शंकर की भूमिका में हैं जबकि कृति सेनन ने मुक्ति का किरदार निभाया है और फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत है। फिल्म की दीवानगी दर्शकों में साफ देखने को मिली थी। यही कारण था कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। दरअसल, फिल्म को रांझणा से कंपेयर किया जा रहा था क्योंकि फिल्म के कुछ किरदार और निर्देशक रांझणा के थे। हालांकि, फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। पिछले साल रिलीज होकर फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की थी, लेकिन अब देखना होगा कि टीवी पर प्रसारित होने के बाद कैसा रिस्पॉन्स करती है।

सिनेमा में बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी : कंगना रनौत

नई दिल्ली/एजेन्सी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आगाज हो चुका है, जो 30 मार्च तक चलेगा। फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में कंगना रनौत, हेमा मालिनी, विक्की कौशल, सान्या माल्होत्रा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनुपम खेर और लॉरेन गॉटलिब जैसे स्टार्स को देखा गया। समारोह में पहुंची भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने सिनेमा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात की। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर महिलाओं को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा, तो हम उनके दृष्टिकोण को नहीं समझ पाएंगे। इसीलिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। धीरे-धीरे, जिस तरह प्रधानमंत्री इसे राजनीति में ला रहे हैं, मुझे लगता है कि फिल्मों को भी महिलाओं के लिए मंच प्रदान करना चाहिए, चाहे वह फिल्म समारोहों के माध्यम से हो, स्टूडियो के समर्थन से हो या उनके संघर्षों को प्रदर्शित करके हो, भले ही वे छोटे ही क्यों न हों। उन्हें किसी भी तरह से प्रोत्साहित करना एक बड़ा कदम होगा।

समारोह में पहुंचे अभिनेता अरविंद स्वामी ने एआई पर अपने विचार रखे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्षमताओं का दायरा बहुत ही व्यापक होने वाला है। भविष्य में हम बिना किसी की मदद के भी फिल्में बना सकेंगे, यहां तक ङ्कङ्कि एक व्यक्ति भी पूरी फीचर फिल्म बना सकता है। उपकरण बहुत तेजी से विकसित हो रहे हैं। अभी इसका इस्तेमाल छोटे पैमाने पर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में उसका स्तर बढ़ने वाला है। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को विशेष श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके साथ ही अभिनेता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी दिया जाएगा। इस बात की जानकारी खुद हेमा मालिनी ने दी। धर्मेंद्र के अलावा, शर्मिला टैगोर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया। पांच दिन चलने वाले कार्यक्रम में सिनेमा के कई सितारे शिरकत करने वाले हैं।

पुलिस से पर्यटन तक छाया 'जमील जमाली' का डायलॉग, राकेश बेदी का किरदार बना डिजिटल 'धुरंधर'

नई दिल्ली/एजेन्सी

इन दिनों सोशल मीडिया पर 'धुरंधर' का 'मेरा बच्चा है तू' डायलॉग जबरदस्त तरीके से ट्रेंड कर रहा है। यह डायलॉग अभिनेता राकेश बेदी के निभाए गए जमील जमाली किरदार से जुड़ा है, जिसने अपने खास अंदाज और मजेदार शैली से दर्शकों के दिलों में अलग पहचान बनाई है। अब यही किरदार और उसका संवाद सरकार के कई विभागों के जागरुकता अभियानों का हिस्सा बन चुका है। जमील जमाली के किरदार की बात करें, तो इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका सरल, अपनापन भरा और हास्यपूर्ण अंदाज है। यह किरदार अपने संवादों के जरिए सीधे दिल तक पहुंचता है और गंभीर बातों को भी हल्के-फुल्के तरीके से समझा देता है। राकेश बेदी ने इस किरदार में अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग, सहज अभिनय और संवाद अदायगी से जान डाल दी है। यही वजह है कि जमील जमाली अब सिर्फ एक किरदार नहीं बल्कि एक ट्रेंड बन चुका है, जिसे हर वर्ग के लोग पसंद कर रहे हैं। जमील जमाली के संवाद की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सरकारी संस्थान इसे अपने-अपने अंदाज में इस्तेमाल कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने सड़क सुरक्षा या यातायात जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए इस ट्रेंड को अपनाया। अपने संदेश में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से हेलमेट पहनने की अपील करते हुए लिखा, 'ये ले हेलमेट पहन, मेरा बच्चा है तू। हेलमेट पहनेगा तभी सयाना बनेगा।' इस तरह के रचनात्मक संदेश लोगों को नियमों के प्रति आकर्षित करने में कारगर साबित हो रहे हैं।वहीं, राजस्थान पर्यटन विभाग ने भी इस ट्रेंड का इस्तेमाल करते हुए अपनी मेहमाननवाजी को दर्शाया। पोस्ट के जरिए राजस्थान की संस्कृति और स्वाद को मजेदार अंदाज में प्रस्तुत किया गया। विभाग ने राजस्थानी थाली के साथ संदेश दिया, 'मेहमान हैं आप... और मेहमाननवाजी हमारी पहचान।' इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने भी यात्रियों को आकर्षित करने के लिए 'मेरा बच्चा है तू' ट्रेंड का सहारा लिया। इस संदेश में हल्के-फुल्के अंदाज के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश की गई है। विभाग ने अपने ऐप के प्रचार में लिखा, यदि आप अभी भी यह सोच रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की यात्रा कहां से शुरू करें, तो टेंशन न ले, बच्चा है तू मेरा यूपी टूरिज्म ऐप डाउनलोड कर और एक क्लिक में पूरे राज्य की जानकारी प्राप्त कर।

इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भी लोगों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए इस ट्रेंड को अपनाया। उन्होंने 'धुरंधर' बनकर खाने में मिलावट की पहचान करने की सलाह दी और डार्टबुक के जरिए आसान जांच तरीकों की जानकारी देने पर जोर दिया। एफएसएसएआई ने लिखा, बच्चा है तू मेरा खाद्य असली और नकली की पहचान करना सीख ले।

मदुरै में राजाराम महाराज के जन्मोत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। आंजणा चौधरी समाज द्वारा उनके आराध्य श्री राजारामजी महाराज के 144वें जन्मोत्सव के उपलक्ष में लीलादेवी भवन में भव्य रात्रि जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आरती के साथ हुआ्। इसके पश्चात एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजन कलाकार जीवन राजपुरोहित, भीनमाल एवं बेंगलूरु से रतन चौधरी ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा उत्कृष्ट व्यवस्था देखने को मिली, वहीं समाज के वरिष्ठजनों ने आगंतुकों का आत्मीय स्वागत किया।

आयोजन में कार्यकारिणी समिति का विशेष योगदान रहा। अध्यक्ष लाखाराम, उपाध्यक्ष लालाराम, कोषाध्यक्ष नारायणराम, उपकोषाध्यक्ष हरिराम, सचिव राकेश कुमार, उप सचिव मंगलाराम, मंत्री हनुमान पटेल, सह मंत्री हिराराम एवं प्रचार मंत्री खीमाराम के पूर्ण सहयोग एवं समस्त कार्यकर्ताओं की मेहनत से रात्रि जागरण हुआ। भक्तजनों ने श्री राजाराम महाराज के दर्शन कर तिलक लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा तथा युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्रभु महावीर का 2625वां जन्मकल्याणक महोत्सव कार्यक्रम 31 मार्च को

सांध्यकालीन कार्यक्रम में दिखाया जाएगा 'वीर आगमन', तैयारियां पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन द्वारा समस्त जैन समाज के सहयोग से 31 मार्च को फ्रीडम पार्क कुंडलपुरी नगरी में श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा व तैयारियों की जानकारी देने के लिए संगठन द्वारा संगठन कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में समिति के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की जानकारी दी। मंत्री सुश्रुत चेलावत ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष बेंगलूरु में विराजित सभी सम्प्रदाय के जैन साधु साध्वियों के सान्निध्य में यह भव्य आयोजन होगा। प्रवचन के पश्चात साधु साध्वियों द्वारा महामांगलिक प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर प्रभु महावीर के महाअभिषेक सहित अनेक सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुश्रुत चेलावत ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम के पूर्व 30 मार्च को कर्नाटक सरकार के कन्नड़ व संस्कृति विभाग द्वारा शाम 5 बजे से रवीन्द्रकला क्षेत्र में महावीर जन्मकल्याणक मनाया जाएगा जिसमें भी जैन युवा संगठन भाग लेगा। ङ्गचेलावत ने बताया कि 31 मार्च को फ्रीडम पार्क में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, विशिष्ठ अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश, खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा, योजना मंत्री डी सुधाकर, सांसद तेजस्वी सूर्या, सांसद पी सी मोहन, सहित अन्य राजनेता उपस्थित होंगे। जैन समाज की ओर से चिकपेट आदिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, जैन कॉन्फ्रेन्स के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, दिगम्बर कर्नाटक जैन एसोसिएशन के अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार, वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी गुरुपुणवानी कम्पनी के संजय बैद व विकास बोहरा सहित अनेक सभा संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि 31 मार्च को सुबह टाउन हॉल से जैनत्व सिद्धांत एवं प्रभु महावीर के अहिंसा के सिद्धांतों का प्रदर्शन करते हुए लगभग 18 झांकियों सहित विशाल अहिंसा शोभायात्रा रवाना होगी। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह व वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी जैन ध्वजा दिखाकर रैली को रवाना करेंगे। रैली फ्रीडम पार्क पहुंचकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव की धर्मसभा में परिवर्तित होगी। धर्मसभा में संतों के प्रवचन व सामूहिक महामांगलिक का आयोजन किया गया है। ङ्ग इस बार जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सायंकालीन आध्यात्मिक कार्यक्रम के तहत नयसार से लेकर प्रभु महावीर के जीवन चरित्र की भव्य प्रस्तुति 'वीर आगमन' का आयोजन होने जा रहा है।

इस मौके पर संगीत प्रतियोगिता के 5 फाइनल प्रतिभागी भी अपनी प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 'ज्ञानोदय' नामक डिजिटल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। इस वर्ष भी समाजसेवा, ज्ञान, स्वास्थ्य, जैन साहित्य, रक्तदान, कैंसर जांच, सहित विभिन्न खाद्य व पेय पदार्थों के लगभग 50 स्टाल लगाए जाएंगे। पत्रकार वार्ता में सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी, मंत्री विनोद नंदावत व वित्त प्रमुख सज्जनराज मेहता ने ट्रस्ट की योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर जेवाईएस के उपाध्यक्ष रितेश पामेचा ने उपस्थित सभी पत्रकारों से प्रभु महावीर के सिद्धांतों का अधिक से अधिक प्रचार करने का निवेदन किया। साथ ही इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष विनय गांधी, सहमंत्री दीपेश धोका, प्रचार प्रसार चेयरमैन मनीष चावत आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

विशिष्ट नहीं, विशुद्ध बनो : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

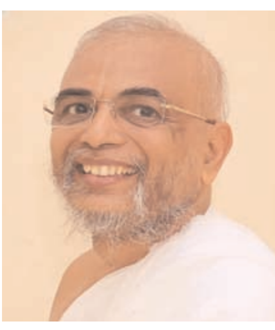

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में शुक्रवार को नवपद के अंतर्गत आचार्य पद की आराधना अत्यंत ऊर्जामय और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और वातावरण आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत रहा। अपने ओजस्वी प्रवचन में आचार्यश्री ने श्रीपाल-मईणा चरित्र का अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि जब साधु किसी संसारी की प्रशंसा करते हुए कथा लिखते हैं, तो वह चरित्र असाधारण महानता का प्रतीक होता है। उन्होंने बताया कि श्रीपाल और मईणा ने विशुद्ध जीवन जीकर संसार को आदर्श और आलंबन प्रदान किया। प्रश्नात्मक शैली में उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज मनुष्य विशिष्ट बनने की दौड़ में लगा है, जबकि शाश्वत प्रभाव केवल विशुद्धता से ही प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि लाखों वर्ष बीत जाने के बाद भी श्रीपाल- मईणा आज भी स्मरण किए जाते हैं, क्योंकि उनका जीवन विशुद्धता का प्रतीक था।

उदाहरण देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि पीतल को कितना भी चमकाया जाए, वह सोना नहीं बन सकता, उसी प्रकार केवल बाहरी दिखावे से महानता प्राप्त नहीं होती। उन्होंने समझाया कि संपत्ति विशिष्ट बना सकती है, किंतु उदारता विशुद्ध बनाती है; पुण्य विशिष्टता देता है, जबकि गुण जीवन को विशुद्ध बनाते हैं। आचार्यश्री ने श्रीपाल के जीवन से प्रेरणा लेते हुए बताया कि उन्हें अनेक राज्यों और रानियों की प्राप्ति हुई, किंतु वे कभी भी मोह या वासना में आसक्त नहीं हुए। उन्होंने कहा कि सच्चा साधक वही है, जो पुण्य के फल में नहीं, बल्कि गुणों के विकास में आनंद अनुभव करे।

आचार्य पद की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि पंचपरमेष्ठी में आचार्य का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरिहंत जहां शासन के संस्थापक हैं, वहीं आचार्य उसके सुचारु व्यवस्थापक हैं। जिनशासन की निरंतरता, उसकी गरिमा और परंपरा को बनाए रखने का श्रेय आचार्य पद को ही जाता है। इतिहास का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने बताया कि अनेक आचार्यों ने जिनशासन की रक्षा हेतु अपने प्राणों का बलिदान दिया। अनेक चुनौतियों और संघर्षों के बावजूद आज जिनशासन जीवंत है, तो उसका संपूर्ण श्रेय आचार्य पद की महान परंपरा को जाता है।

चामुंडा माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के आखिरी दिन उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कॉटनपेट स्थित श्री चामुंडा माता के मंदिर प्रांगण में चैत्रीय नवरात्रि पर्व का समापन हुआ। नौ दिनों तक चली माँ दुर्गा की आराधना के पश्चात आखिरी दिवस शुक्रवार को विशेष आरती की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर लाभार्थी शेरसिंह राठौड़ परिवार को माँ नवदुर्गा की विशेष आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में कर्नाटक राजस्थान राजपूत समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शार्टकट रास्ते से पुरस्कार पाने के इच्छुक रहें सावधान

- फर्जी कर्नाटक पुरस्कार-2026 के संबंध में जनता को किया जागरूक
- लोकभवन ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेगलूरु। इन दिनों कर्नाटक अवार्ड्स-2026 नामक एक पुरस्कार के संबंध में जनता के बीच विभिन्न माध्यमों से प्रचार किया जा रहा है और कथित अवार्ड पाने के इच्छुक लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है । यह भी जानकारी मिली है कि यह अवार्ड देने के बदले अभ्यर्थियों से धन वसूली की जा रही है। मज़े की बात यह कि इस अवॉर्ड प्रदान करने के कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत की उपस्थिति का ज़िक्र किया गया है जबकि लोकभवन की एक विज्ञप्ति के अनुसार राज्यपाल को इस अवार्ड वितरण के संबंध में न तो कोई जानकारी है और न ही उनसे किसी प्रकार की अनुमति ली गई है।

विज्ञप्ति में स्पष्ट कहा गया है कि यह निमंत्रण फर्जी और अनधिकृत हैं और माननीय राज्यपाल या लोक भवन की जानकारी या सहमति के बिना प्रसारित किए गए हैं। लोक भवन ने कर्नाटक पुरस्कार-2026 नामक किसी भी कार्यक्रम का समर्थन नहीं किया है और न ही उससे कोई संबंध रखता है। हमें यह भी पता चला है कि कुछ व्यक्ति जनता से संपर्क कर पुरस्कार देने का वादा करके पैसे भी वसूल रहे हैं। इस संबंध में बेगलूरु के विधान सौधा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है और एफआईआर दर्ज करने सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

लोकभवन के पत्र अनुसार जनता को सतर्क रहने और इस तरह के फर्जी संदेशों का जवाब न देने की सलाह दी गई है। राज्यपाल के विशेष सचिव आर. प्रभुशंकर ने एक बयान में कहा कि यदि ऐसे कोई मामले सामने आते हैं, और किसी से पुरस्कार के संबंध में संपर्क किया जाता है तो उसकी सूचना पुलिस को दी जा सकती है।

दरअसल दक्षिण भारत राष्ट्रमत पूर्व में भी ऐसे पुरस्कार बांटने वालों से जनता को समय समय पर जागरूक करता रहा है लेकिन जो लोग पुरस्कार पाने का शार्टकट ढूंढते रहते हैं वैसे लोग या तो सब कुछ जानते हुए भी ऐसी कथित फर्जी संस्थाओं से कुछ हजार या लाख रुपये देकर पुरस्कार लेने के लिए आगे आते हैं या कुछ लोग बड़े बड़े विशिष्ट अतिथियों के नाम देखकर पुरस्कार को महत्वपूर्ण मानते हुए पुरस्कार पाने को लालायित हो जाते हैं और इसके लिए मोटी राशि देने को भी तैयार हो जाते हैं।

लोकभवन द्वारा जागरूक करने के बावजूद यदि लोग ऐसी संस्थाओं के चक्कर में पड़ते हैं और लालचवश ऐसा पुरस्कार पाने की लाइन में लगते हैं तो यह उनके विवेक पर निर्भर है ।

एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स ने गर्भवती महिला की दोहरी सर्जरी में सफलता प्राप्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स के डॉक्टरों की एक टीम ने एक गर्भवती महिला की दोहरी सर्जरी कर बच्चे को जन्म दिलाया, जिससे माँ को हमेशा के लिए लकवा होने से बचा लिया गया।

मीडिया को संबोधित करते हुए, एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट (स्पाइन केयर) डॉ योगेश कुमार ने बताया कि 32 हफ़्ते की गर्भवती मरीज़, जिसे स्वास्थ्य संबंधी कई जटिलताएँ थीं, को रीढ़ की हड्डी से जुड़ी एक गंभीर समस्या थी।

इस स्थिति का पता 'कॉडा इक्विना सिंड्रोम' के रूप में चला, जिसके कारण वह चलने फिरने में असमर्थ थी और उसका अपने मल-मूत्र पर से नियंत्रण भी खत्म हो गया था।

अस्पताल में कई स्तरों के जांच के उपरांत मेडिकल टीम ने सबसे पहले एक आपातकालीन सीज़ेरियन सेक्शन के ज़रिए महिला की डिलीवरी कराई इसके तुरंत बाद रीढ़ की हड्डी की एक जटिल सर्जरी की गई ताकि नसों पर पड़ रहे गंभीर दबाव को कम किया जा सके और उसे हमेशा के लिए लकवा होने से बचाया जा सके। सर्जरी के बाद, माँ फिर से चलने-फिरने में सक्षम हो गईं।

मेडिकल विशेषज्ञों की इस टीम में प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ आर.के. विद्यालक्ष्मी, क्लिनिकल हेमेटोलॉजी कंसल्टेंट डी. अभिनया, नियोनेटोलॉजी कंसल्टेंट सी. अशोक और एनेस्थीसियोलॉजी कंसल्टेंट डॉ आर. शनमिता सहित अनेक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल रहे। इस अवसर पर अस्पताल के अध्यक्ष डॉ पी सत्यनारायण ने कहा कि यह एक जटिल प्रक्रिया थी जिसे विशेषज्ञ डाक्टरों के सामूहिक प्रयासों के बिना सफलतापूर्वक अंजाम देना कठिन था।

ज्ञान, सद्बुद्धि, सदाचार और बलिदानों सें बनते हैं इतिहास : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शुक्रवार को जैन मरुधर संघ के तत्वावधान में नवपद आयंबिल ओली पर्व के तीसरे दिन आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीर की परंपरा में महिला साधिकाओं का भी अविस्मरणीय योगदान रहा है। अकसर सुप्रसिद्ध महापुरुषों की यशगाथाओं के गुणगान के बीच महान स्त्रियों के यथोचित उल्लेख गौण हो जाते हैं। कई बार पुरुषों के प्रभाव तले स्त्रियों का व्यक्तित्व दब जाता है।

जैन परंपरा में हुई ऐसी अनेक कन्याओं और महिलाओं के व्यक्तित्व, कृतित्व, पुण्य और प्रभाव को रेखांकित करना युगीन आवश्यकता है। इससे आधुनिक महिला जगत को भी सही दिशा और प्रेरणाएं मिल सकती हैं। परंपरा से भारतीय स्त्रियां घूंघट के साथ घर की चार दीवारी में बंद रही है। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, कित्तूर की रानी चेन्नम्मा, अहिल्याबाई होलकर जैसी प्रभावशाली और पुण्यशाली महिलाओं के नाम आधुनिक समाज में कम ही प्रसिद्ध हैं। लेकिन इतिहास में ऐसी हजारों स्त्रीरत्न हुईं हैं, जिनका सही इतिहास नई पीढ़ियों को बताना अत्यंत आवश्यक है। मन, योजनाएं, कार्य और कर्म सिद्धांत विषय पर विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने कहा कि वसुमती रानी, श्रीपाल मयणाकुमारी की कहानी सुनाई। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सिर्फ नाचने-कूदने, ब्यूटी पार्लरों के चक्कर लगाने, सोशल मीडिया पर रील्स बनाने या फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने से ही इतिहास नहीं बनते। जमाना जिसे याद करे, ऐसे इतिहास तो ज्ञान, सद बुद्धि, सदाचार और बलिदानों से बनते हैं। जैन मरुधर संघ के मंत्री दिनेश संघवी ने सभा को संबोधित करते हुए आयंबिल तपस्वियों की अनुमोदना की।

'आदर्श एमबीए' की पूजा कड़प्पा ने प्रथम रैंक तो सुदीप गांवकर ने पांचवीं रैंक हासिल की

'एआईएमआईटी' ने लगातार तीसरी बार एमबीए परीक्षा में हासिल किया शीर्ष स्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूजा कड़प्पा

सुदीप गांवकर

बेंगलूरु। आदर्श ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस की इकाई आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी(एआईएमआईटी) ने एक बार फिर शैक्षणिक क्षेत्र में रिकार्ड बनाते हुए बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एमबीए परीक्षा में निरंतर तीसरे वर्ष (वर्ष 2023-26) प्रथम रैंक हासिल की है। एआईएमआईटी की पूजा कड़प्पा कडली ने वर्ष 2026 में यूनिवर्सिटी में प्रथम रैंक हासिल किया तो वही सुदीप गांवकर ने पांचवी रैंक हासिल की। इसके अलावा पूरे बैच का परिणाम भी शत प्रतिशत रहा। 17 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अनुकरणीयता के साथ फर्स्ट क्लास तथा 68 प्रतिशत विद्यार्थियों ने वरीयता के साथ फर्स्ट क्लास हासिल की। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2025 में नुन्ना हेमास्विथा ने प्रथम व कीर्तना जीएस ने पांचवीं और वर्ष 2024 में सहानाश्री ने प्रथम रैंक हासिल की थी। ङ्गङ्गसंस्था के अध्यक्ष पदमराज मेहता व सचिव जितेन्द्र मरड़िया ने एमबीए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धियों को सराहा। आदर्श के पदाधिकारियों ने सभी रैंक होल्डर्स, प्रिंसिपल और फैकल्टी शिक्षकों को भी उनके विशेष श्रम के लिए शुभकामनाएं दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.